

## कोविद -19 के कारण लॉकडाउन (बंदी) अवधी के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के कृषि सलाह

भारत सरकार ने दिशानिर्देश\* जारी किये हैं जिससे कि कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निर्धारित सावधानियों का पालन करते हुए जारी रह सके। किसानों की सुविधा के लिए इन्हें निष्कर्ष रूप में यहाँ सूचीबद्ध किया गया है

कृषि और संबंधित गतिविधियाँ जिनको लॉक डाउन (बंदी) छूट प्राप्त हैं\*

- i. पशु चिकित्सालय
- ii. कृषि उत्पादों की सरकारी खरीद में लगे अभिकरण, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी सम्मिलित है
- iii. 'मंडियाँ' जो कृषि उत्पाद विपणन समितियों द्वारा संचालित है या जैसे राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित है
- iv. किसानों एवं कृषि श्रमिकों द्वारा खेती-बाड़ी की गतिविधियाँ
- v. कृषि मशीनों/यन्त्रों से संबंधित यंत्र सुलभिकरण केंद्र (सी एच सी)
- vi. उर्वरक, पीड़कनाशी (पेस्टीसाइड्स) और बीज का विनिर्माण/उत्पादन और पैकेजिंग करने वाली इकाइयाँ
- vii. फसल कटाई और बुवाई से संबंधित मशीनों जैसे कि कम्बाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि और बागवानी औज़ार आदि का अन्तः और अंतरा राज्य आवागमन
- viii. कृषि मशीनों/उपकरणों/औज़ारों, इनके अतिरिक्त पुर्जों (इनकी आपूर्ति शृंखला भी सम्मिलित) और मरम्मत की दुकाने खुली रहेंगी
- ix. राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रक मरम्मत की दुकानें, ईंधन/पेट्रोल पम्प पर स्थित को प्राथमिकता/वरीयता
- x. चाय उद्योग, जिसमें बागान भी सम्मिलित अधिकतम 50% श्रमिकों के साथ

\* बिन्दु (i से vii) गृह मंत्रालय, भारत सरकार देखे आदेश सं 40-3/2020-DM-I(A) दिनांक 24, 25 and 27 मार्च 2020, उपधारा 2,4, 5 के अतिरिक्त एवं 6 के अपवाद के दिशा-निर्देश अनुसार; और बिन्दु (viii से x) एमएचए के आदेश सं 40-3/2020-DM-I(A) दिनांक 24.03.2020 के चौथे परिशिष्ट अनुसार जो की समेकित दिशानिर्देशों के संलग्नक के रूप में था

यह छूटें कृषि और किसानी से जुड़ी गतिविधियों को अबाध रूप में जारी रखने में मदद करेगी ताकि अनिवार्य आपूर्ति सुनिश्चित हो और किसानों को लॉकडाउन अवधि में किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

भारत सरकार के नीति निर्देशों के आधार पर विभिन्न मंत्रालयों/ राज्य सरकार के विभागों ने कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों की गतिविधियों को जारी रखने के लिए अमल में लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं

किसानों के लिए सलाह

फसलों की कटाई और मड़ाई

कोविद-19 के फैलने के खतरे के बीच, रबी फसलों के पकाव का समय आ रहा है। फसल कटाई और उत्पाद को संभालना जिसमें शामिल है इसको विपणन के लिए ले जाना इन्हें टाला नहीं जा सकता क्योंकि कृषि कार्य समयबद्ध होते हैं। परंतु, किसानों को बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए सावधानियों और सुरक्षा उपायों को अपनाना पड़ेगा।

साधारण उपायों में सम्मिलित है सामाजिक दूरी, हाथों को साबुन से धोकर अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, चेहरे पर मास्क पहनना, सुरक्षा परिधान और औज़ारों और मशीनों की सफाई। श्रमिकों को कृषि कार्यों की पूरी प्रक्रियाओं के दौरान प्रत्येक कदम पर सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों को अपनाना चाहिए।

- उत्तर राज्यों में गैहूँ की कटाई नजदीक आ रही है और कम्बाइन हार्वेस्टर के राज्यों के अन्दर और एक से दूसरे राज्य में आवागमन की अनुमति दी गई है। मरम्म, रख-रखाव और कटाई संबंधी कार्यों में लगे सभी श्रमिकों के सावधानियों और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- सरसों रबी दूसरी महत्वपूर्ण फसल है, हाथ से कटाई चल रही है और जहां भी फसल कट गई है वहाँ मड़ाई बाकी है।
- मसूर, मक्का, और मिर्ची की कटाई चल रही है और चना की जल्दी शुरू होने वाली है।
- गन्ने की कटाई अपने चरम पर है और उत्तर भारत में हाथ से बुवाई का भी समय है।
- जो भी फसलों, फलों, सब्जियों, अंडों और मछली की कटाई में लगे हैं उनके द्वारा, कृषि कार्यों के दौरान और बाद में, व्यक्तिगत स्वच्छता उपाय और सामाजिक दूरी को अपना जाना चाहिए।
- जहां कटाई/ चुनाई कर कार्य हाथों से हो रहा हो, वहाँ कार्य को 4-5 फीट चौड़ाई की पट्टियों में किया जाना चाहिए और एक पट्टी में एक व्यक्ति को कार्य करना चाहिए। इससे कार्यरत श्रमिकों में समुचित दूरी सुनिश्चित होगी।
- कार्यरत सभी व्यक्तियों को मास्क का उपयोग करना चाहिए और समुचित अंतराल पर साबुन से हाथ धोना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- आराम के दौरान, खाना खाते समय, उत्पाद का संग्रहण केन्द्र पर परिवहन के समय, उतारते/चढ़ते समय 3-4 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- जहां तक संभव हो कृषि कार्य समय अंतराल से करे और एक ही दिन में बहुत सारे लोगों को काम में लगाने से बचे।
- जहाँ तक संभव हों परिचित व्यक्तियों को ही कार्य में लगाए और आवश्यक पूछताछ के बाद ही लगाए ताकि कृषि कार्यों के दौरान किसी भी संदिग्ध या विषाणु वाहक के प्रवेश से बचा जा सके।
- जहाँ भी व्यवहार्य हो वहाँ मशीनों से कटाई को प्राथमिकता देवें। मशीन के साथ केवल जरूरी संख्या में आवश्यक व्यक्तियों को ही अनुमति दें।
- सभी मशीनों को प्रवेश द्वार और नियमित अंतराल पर सेनीटाइज़ (अच्छी तरह से साफ सफाई) करते रहें। सभी परिवहन वाहनों, जूट बोरों या अन्य पैकेजिंग सामान को भी सेनीटाइज़ किया जाना चाहिए।
- उत्पाद का संग्रहण 3-4 फीट की दूरी पर छोटी ढेरियों में किया जा सकता है और खेत स्तर के प्रसंस्करण को प्रति ढेरी 1-2 व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिससे भीड़ से बचा जा सके।
- मक्का और मूँगफली के लिए उपयोग में लाये जाने वाले थ्रेशर की उचित स्वच्छता और सफाई राखी जानी चाहिए, विशेषकर यदि मशीनें कृषक समूह द्वारा सहभागिता/साझेदारी में उपयोग लाई जा रही हो। मशीनों के उन भागों की प्रचूरता से साबुन के पानी से धूलाई करने की सलाह दी जाती है जिन्हें उपयोग के समय बार-बार छूआ जाता है।

#### फसल कटाई उपरान्त, भंडारण और कृषि उत्पाद का विपणन

- जब सुखाने, मड़ाई, ओसाई, सफाई, श्रेणीकरण, छंटाई और पैकेजिंग आदि कार्य खेत पर करे तब, मुँह पर सुरक्षा मास्क जरूर पहने इससे धूल मिट्टी के कणों और ऐरोसोल के खिलाफ सुरक्षा मिल सकती है जिससे साँस संबंधी परेशानियों से बचा जा सके।

- भंडारण से पूर्व अनाजों, दलहनों और मोटे अनाजों को खेत/घर पर पूरी तरह से सुखाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और गत वर्ष उपयोग में लाये जूट बोरों का फिर से उपयोग करने से बचना चाहिए ताकि कीड़ों के प्रकोप से बचाव हो। जूट के बोरों का 5% नीम के घोल में डूबाने और सुखाने के बाद प्रयोग करें।
- उत्पाद को खेत पर या नजदिकी शीत भंडार गृह, गोदाम, आदि में भंडारण करें, यदि बेहतर भाव एक लिए जरूरी हो तो, भंडारण के लिए जूट बोरों का उपयोग पर्याप्त सावधानी के साथ करना चाहिए जो कि किसानों को पर्याप्त संख्या में उपलब्ध करवाए गए हैं।
- कृषि उत्पाद को लिए चढ़ाने और परिवहन करने तथा मंडी में बेचान के लिए नीलामी में भाग लेते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए।
- बीज उत्पादक किसानों को आवश्यक जरूरी कागजात के साथ बीज कंपनियों को बीज परिवहन करने की अनुमति होगी और भुगतान प्राप्ति के समय सावधानी अपनानी होगी।
- बीज प्रसंस्करण/पैकेजिंग संयंत्र और बीज उत्पादक राज्यों से बीजों का फसल उगाने वाले राज्यों (दक्षिण से उत्तर) तक परिवहन अत्यंत आवश्यक है ताकि खरीफ फसलों के लिए बीज उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
- सब्जियों जैसे टमाटर, फूलगोभी, हरी पत्तेदार सब्जियों, कट्टूवर्गीय और अन्य सब्जियों के खेत से सीधा बेचान (विपणन)/आपूर्ति करने में सावधानी बरती जानी चाहिए।

#### खेत में खड़ी फसलें

- ज्यादातर गेहूं उगाने वाले क्षेत्रों में तापमान अभी भी दीर्घ-अवधि औसत तापमान से नीचे चल रहा है जिससे गेहूं की कटाई में कम से कम 10-15 दिनों की देरी होगी यानि 10 अप्रैल से आगे तक, इसलिए, किसान गेहूं की कटाई 20 अप्रैल तक कर सकते हैं उपज में बिना किसी महत्वपूर्ण नुकसान के, इससे उनको पर्याप्त समय मिल जाएगा, खरीद के लिए सहायक उपायों का प्रबंध करने और तिथि घोषित करने में।
- दक्षिणी राज्यों में धान की फसल दाना भरने की अवस्था में है और ये ग्रीवा झुलसा के प्रकोप से बड़े स्तर पर प्रभावित होती है, जब अनुमोदित फॉन्डनाशक का संविदा पर छिड़कने वाले/ किसान छिड़काव करे तब पर्याप्त सावधानी बरती जानी चाहिए।
- धान की कटाई की अवस्था में यदि कहीं पर बेमौसम बारिश हो जाए तो दानों को अंकुरित होने से बचाने के लिए 5% नमक के घोल का छिड़काव करें।
- बागवानी फसलों में फलन अवस्था है, जैसे कि आम, पौषक तत्व छिड़काव व पौध संरक्षण जैसी कृषि क्रियाएँ करते समय आदानों को संभालने, मिलाने, पहुंचाने और उपकरणों को धोने आदि में सावधानी बरती जानी चाहिए।
- धान के बाद में ग्रीस्मकालीन दलहनों में, सफेद मक्खी के प्रबंधन पूरे सुरक्षा उपायों के साथ किया जाना चाहिए जिससे पीला मौजेक विषाणु के प्रकोप से बचा जा सके।

## **Agro-advisory for farmers and farming sector during lockdown period due to COVID-19**

Government of India has brought out guidelines\* so that important agricultural and allied sector activities continue with the prescribed precautions in place. For the benefits of the farmers, these are extracted and listed here.

### **Agricultural and allied activities exempted from lockdown\***

- i. Veterinary hospitals
- ii. Agencies engaged in procurement of agriculture products, including MSP operations
- iii. 'Mandis' operated by the Agriculture Produce Market Committee or as notified by the State Government
- iv. Farming operations by farmers and farm workers in the field
- v. Custom hiring centres (CHC) related to farm machinery
- vi. Manufacturing and packaging units of Fertilizers, Pesticides and Seeds
- vii. Intra and inter-state movement of harvesting and sowing related machines like combined harvester and other agriculture/ horticulture implements
- viii. Shops of agriculture machinery, its spare parts (including its supply chain) and repairs to remain open
- ix. Shops for truck repairs on highways, preferably at fuel pumps
- x. Tea Industry, including plantation with maximum of 50% workers

\*points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24<sup>th</sup>, 25<sup>th</sup> and 27<sup>th</sup> March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4<sup>th</sup> addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.

These exemptions will facilitate unhindered activities related to agriculture and farming so as to ensure essential supplies and farmers do not face any difficulty during the lockdown.

Based on the policy directions of GoI, various ministries/ departments of State Governments issued implementation guidelines to facilitate continuation of activities related to agriculture and allied sectors.

### **Advisory for farmers**

#### **Harvesting & threshing of crops**

Amidst the threat of COVID-19 spread, the rabi crops are approaching maturity. Harvesting and handling of the produce including its movement to the market are inevitable as the agricultural operations are time bound. However, farmers are to follow precautions and safety measures to be taken to prevent the disease spread. Simple measures include social distancing, maintaining personal hygiene by washing of hands with soap, wearing of face mask, protective clothing and cleaning of implements and machinery. Workers to follow safety measures and social distancing at each and every step in the entire process of field operations.

- Harvesting of wheat is approaching in several northern states through combine harvesters and their movement within state and between states has been permitted. Precautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation is to be ensured.
- Mustard is the second important rabi crop, manual harvesting is in progress and threshing is due wherever already harvested
- Harvesting of lentil, maize and chillies is in progress and gram is fast approaching.
- Sugarcane harvesting is at peak and is also time for manual planting in the north
- Measures of personal hygiene and social distancing to be followed by those engaged in harvesting of all field crops, fruits, vegetables, eggs and fishes before, during and after executing the field operation.
- In case of manual field operations of harvesting/ picking, accomplish the operation in 4-5 feet spaced strips assigning one strip to one person. This will ensure adequate spacing between the engaged labour.
- All the persons engaged should use masks and ensure hand washing with soap at reasonable intervals.
- Maintain safe distance of 3-4 feet during rest, taking of meals, transfer of produce at collection point, loading/unloading.
- Stagger the field operations wherever possible and avoid engaging greater number of persons on the same day.
- Engage only familiar persons to the extent possible and after reasonable enquiry as to avoid the entry of any suspect or likely carrier during field activity.
- Prefer mechanized operations over the manual wherever feasible. Only the essential numbers of persons should be allowed to accompany the machine.
- All machines should be sanitized at the entry point and at regular intervals. All transport vehicles, gunny bags or other packaging material should also be sanitized
- The collection of the produce may be done in small heaps spaced at 3-4 feet and field level processing should be assigned to 1-2 persons/heap to avoid crowding.
- Proper sanitation and cleanliness of threshers for harvested maize and groundnut is to be maintained especially when machines are shared and used by farmer groups. Copious washing of machine parts frequently touched with soap is advised.

#### **Post-harvest, storage and Marketing of farm produce**

- While performing drying, threshing, winnowing, cleaning, grading, sorting and packaging operations at the farm level, wearing of protective face mask may help against aerosols and dust particles to prevent respiratory difficulties.
- Ensure proper drying prior to storage of harvested grains, millets, pulses at farm/home and do not use reuse previous seasons jute bags to prevent pest infestation. Use treated and dried gunnies after soaking in 5% neem solution.
- Adequate pre-cautions to be taken for storage of produce at the farm in jute bags that are made available in sufficient numbers to farmers or in nearby cold storages/ godowns / warehouses, if needed for better price realization
- Adequate personal safety measures to be taken for loading and transporting of farm produce and while participating in sale at market yards/ auction platforms
- Seed producer farmers are permitted to transport to seed companies with supporting documents and to follow precautions while receiving payments
- Seed processing/packaging plants and transportation of seed from seed producing states to growing states (South to north) is essential to make available seed for ensuing *kharif* crops eg., SSG seed for green fodder for sowing in April in north comes from southern states
- Precautions to be followed for direct marketing/ supply of vegetables such as tomato, cauliflower, green leafy vegetables, cucumbers and other cucurbits from farms

### **Standing field crops**

- The temperature in most of the wheat growing areas is still below long-term average and likely to delay wheat harvesting by at least 10-15 days beyond April 10, therefore, farmers can delay wheat harvesting till April 20 without incurring any significant loss, which gives enough time to manage logistics for procurement and announcement of dates
- Rabi Paddy in grain filling stage in southern states is widely affected due to neck blast incidence, adequate pre-cautions to be taken while spraying of recommended fungicide by contract sprayers/ farmers
- In case of any unseasonal rain at harvesting stage in paddy, spray 5% salt solution to prevent seed germination
- In horticultural crops at fruiting stage such as mango, while carrying out field operations related to nutrient sprays and crop protection adequate precautions in handling of inputs, mixing, delivery and washing of equipment is to be undertaken
- In summer pulses in rice fallows, whitefly management with proper safety measures may be taken up to prevent yellow mosaic virus incidence

**ক'ভিড ১৯ নামৰ ভাইৰাচৰ বিস্তাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে আহান জনোৱা ল'ক ডাউন  
সময়ছোৱাত কৃষকবন্ধু আৰু কৃষি খণ্ডৰ বাবে কৃষি সম্পর্কীয় পৰামৰ্শৱলী**

ভাৰত চৰকাৰৰ দেশৰ কৃষি আৰু ইয়াৰ সহযোগী ক্ষেত্ৰসমূহত সতৰ্কতাৰে কৰিবলগীয়া বিভিন্ন কাৰ্যসমূহৰ বাবে কিছু নিৰ্দেশৱলী প্ৰস্তুত কৰিছে। কৃষকৰ সুবিধাখৰে আৰু সহায়ৰ বাবে এই সমূহ তলত উল্লেখ কৰা হ'ল

**তলাৰকৰণৰ পৰা অব্যাহতি প্ৰদানকৰা কৃষি আৰু কৃষিসম্বন্ধীয় কামকাজসমূহ**

- (i) পশুচিকিৎসালয়
- (ii) নৃ্যতম সৰ্বথন মূল্যৰ লগত জড়িত সকলোকোসামৰিকৃষিজাতসামগ্ৰীসমূহৰক্রয় (procurement)ৰ লগত জড়িতসংস্থাসমূহ।
- (iii) কৃষিউৎপাদিতসামগ্ৰীৰবজাৰসমিতিৰদ্বাৰা পৰিচালিতঅথবা বাজ্যচৰকাৰৰদ্বাৰা বিজ্ঞাপিত বজাৰসমূহ।
- (iv) কৃষক আৰু কৃষিৰলগতজড়িতমহিলাসকলেকৃষিক্ষেত্ৰকৰা কৃষিকৰ্মসমূহ।
- (v) কৃষিসজুলিসম্বন্ধীয় Custom Hiring Centres (CHC) সমূহ।
- (vi) সাৰ, কীটনাশক আৰু বীজউৎপাদন আৰু পেকেটকৰা একক (unit)সমূহ।
- (vii) শস্যচপোৱা আৰু গুটিসিচাৰ লগত জড়িত কৃষি সজুলি সমূহ যেনে Combine Harvester ৰ লগতে অন্যান্যকৃষি আৰু উদ্যান শস্যসম্বন্ধীয় কৃষিসজুলিসমূহ ৰাজ্যৰ ভিতৰতে অথবা আন্তঃৰাজ্যিক আদান-প্ৰদান।
- viii) কৃষি ক্ষেত্ৰত ব্যৱহৃত বিভিন্ন সা-সঁজুলি, যন্ত্ৰ পাতি আৰু ইয়াৰ বিভিন্ন অংশ সমূহ, এইবোৰৰ মেৰামতি কৰা দোকান (লগতে এইবোৰৰ যোগান) সমূহ
- (ix) ৰাষ্ট্ৰীয় ঘাইপথ আৰু প্ৰধানকৈ তেল ডিপো সমূহত ট্ৰাক মেৰামতি কৰা দোকান।
- (x) চাহ উদ্যোগ লগতে এইবোৰৰ ইয়াৰ বাগিছা সমূহ শতকৰা ৫০ ভাগ শ্ৰমিকৰ সৈতে।

ওপৰত উল্লেখিত (i) পৰা (vii) নিয়মাৱলী ভাৰত চৰকাৰৰ গৃহ বিভাগৰ vide memo No. 40-3/2020-DM-1(A) dated 24<sup>th</sup>, 25<sup>th</sup> and 27<sup>th</sup> March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions আৰু নিয়মাৱলী (viii) ৰ পৰা (x) লৈ as per 4<sup>th</sup> addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA order No. 40-3/2020-DM-1(A) dated 24.03.2020.

ভারত চৰকাৰৰ নিৰ্দেশনা অনুযায়ী ওপৰত উল্লেখিত অব্যাহতি সমূহ কৃষি আৰু কৃষি ক্ষেত্ৰত কৰিব লগিয়া বিভিন্ন কাৰ্যালী সুচাৰু বুপে কৰাত সহায় কৰাৰ লগতে প্ৰয়োজনীয় সামগ্ৰী সমূহ ল'ক ডাউনৰ সময়ত পোৱাটো নিশ্চিত কৰিব।

এইঅব্যাহতিসমূহেকৃষিসম্বন্ধীয়কামকাজবোৰসূচলকৰাৰফলতঅত্যাৰশ্যকীয়কৃষিজাতসামগ্ৰীৰযোগাননিশ্চিতকৰণসম্বৰহ'ব আৰু লগতেকৃষকসকলেতলাবন্ধৰসময়ছোৱাতকৃষিসম্বন্ধীয়কোনোঅসুবিধাৰসমূখীননহব। তলাবন্ধৰএইসময়ছোৱাতএইসেৱাসমূহকৰ্যকৰীকৰিবাখিলেমন্ত্রালয়সমূহলৈ আৰু ৰাজ্যসমূহলৈ প্ৰয়োজনীয় নিৰ্দেশনা জাৰি কৰাহৈছে। (কৃষি আৰু কৃষককল্যাণ মন্ত্রালয়ৰ অনুৰোধ মৰ্মে গৃহ মন্ত্রালয়ৰ নিৰ্দেশনাঅনুযায়ীভাৰতচৰকাৰৰ Vide No-40-3/2020-DM-1(A) dated-24<sup>th</sup>, 25<sup>th</sup> and 27<sup>th</sup> March, 2020 additions to clauses 2,4,5 and ৬অব্যাহতিপ্ৰদানকৰিছে)।

ভাৰত চৰকাৰৰ নীতি নিৰ্দেশনাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি বিভিন্ন মন্ত্রালয় তথা ৰাজ্য চৰকাৰৰ বিভাগসমূহে কৃষি আৰু কৃষি সম্বন্ধীয় কাম কাজ সমূহ নিয়মীয়াকৈ চলি থকাত সুবিধাৰ'বৰ বাবে কাৰ্য্যকৰী নিৰ্দেশনা উলিয়াইছে।

### কৃষকৰ বাবে পৰামৰ্শৱলীঃ

#### শস্যচপোৱা আৰু মৰণামৰাৎ:

এইCOVID-19 ৰ সংক্ৰমণৰ সময়তে ৰবি শস্য চপোৱাৰ সময় আহি পৰিছে। যিহেতু কৃষি কাৰ্য্য সময়ৰ ওপৰত নিৰ্ভৰশীল সেয়ে শস্য চপোৱা আৰু কৃষি উৎপাদন সামগ্ৰীৰ আদান-প্ৰদান অনিবার্য। যিকিনহওক, কৃষকসকলে প্ৰতিৰোধমূলক ব্যৱস্থা লোৱা উচিত যাতে এই মহামাৰী সংক্ৰমণৰ পৰা নিজক নিৰাপদে ৰাখে। সাধাৰণভাৱে ল'বলগা প্ৰতিৰোধমূল কৰ্বলাস্থা সমূহৰ ভিতৰত হৈছেঃ সামাজিক দূৰত্ব বজাই ৰখা, চাৰোনেৰে হাত ধুই থাকি ব্যক্তিগত পৰিষ্কাৰ পৰিচ্ছন্নতা বক্ষা কৰা, মুখত 'মাস্ক' পৰিধান কৰা, সুৰক্ষিত আৰু কৃষি সজুলিসমূহ চাফা কৰি বীজানু মুক্ত কৰি ৰখা। কৃষি ক্ষেত্ৰত প্ৰতিটো খোজতে নিৰাপদ ব্যৱস্থা আৰু সামাজিক ব্যৱধান কৰ্মী সকলে মানি চলাটো অতিজ বৰ্ষী।

- কেইবাখনো উভৰাখওল ৰাজ্যত ঘেৱ চপোৱাৰ সময় ওচৰ চাপিছে আৰু সেইৰাজ্যসমূহত Combine Harvester ৰ দ্বাৰা শস্য চপোৱা আৰু আন্তঃ আৰু ৰাজ্যৰ ভিতৰতেই যাৰ আদান-প্ৰদানৰ অনুমতি প্ৰদান কৰা হৈছে। মেৰামতি, শস্য চপোৱা আদি কাৰ্য্যৰ লগত জড়িতসকলে প্ৰতিৰোধ ব্যৱস্থা সমূহ মানি চলাটো বাঞ্ছনীয়।
- সৱিয়হ হৈছে দ্বিতীয় অত্যাৰশ্যকীয় ৰবি শস্য যাৰ শস্য চপোৱা কাম চলি আছে আৰু য'ত শস্য চপোৱা ইতিমধ্যে হৈ গৈছে তাত মৰণা মৰা হৈ আছে।
- মচুৰ, গোমধান আৰু জলকীয়া শস্য চপোৱা চলি আছে আৰু বুটমাহৰ শস্য চপোৱা ক্ষীপ্ৰতাৰে ওচৰ চাপিছে।

- কুঁহিয়ারশ্যচপোরার এতিয়াভৰপুকসময় আৰু উন্নৰাখওলতহাতেৰেশ্যৰোপনৰসময়।
- শ্যচপোৱাকাৰ্য্যতবিশেষকৈশ্য, ফলমূল, শাক-পাচলি, গাঢ়ীৰ, কণী, মীনআদিতজড়িতসকলেপ্রতিৰোধমূলকসারধানতালোৱাউচিত। লগতেৰ্যন্তিগতপৰিক্ষাৰ-পৰিচ্ছন্তাঅৱলম্বনকৰিসামাজিকদূৰত্ববজাইৰখাটোৱাখণ্ডনীয়।
- হাতেৰেশ্যচপাওতেৰাচঞ্চোতে, ৪-৫ ফুটদূৰত্বতশাৰীশাৰীকৈল'বলাগে আৰু এটাশাৰীতএজনএজনহ'ব্যাতেজড়িতকমীসকলেকামকৰোতেএটাপ্ৰয়োজনীয়দূৰত্ববজাইৰাখিবপাৰে।
- কৃষিকৰ্মতজড়িতসকলোৱেমুখত 'মাক্ষ' পৰিধানকৰিব আৰু এটানিৰ্দিষ্টসময়ৰমূৰে-মূৰেচাবোনেৰেহাতৰোৱাতোনিশ্চিতকৰিব।
- জিৰণিলোৱাসময়ত, আহাৰখোৱাবসময়ত, উৎপাদিতসামগ্ৰীসমূহসংগ্ৰহস্থলৈস্থানান্তৰকৰাৰসময়ত, সামগ্ৰীথোৱা আৰু নিয়াকাৰ্য্যকৰোতেএজনৰপৰাআনজনৰমাজত ৩-৪ ফুটব্যৱধানৰদূৰত্ববজাইৰাখিব।
- কৃষিক্ষেত্ৰতএকেদিনাইবগুৰুত্বমানুহজড়িতনাথাকিব।
- পৰিচিতলোককজড়িতকৰিবযদিসম্বৰহয়, পাৰিণেসন্দেহযুক্তবাহকহোৱাসন্দেহথকালোকককামতনলগাব।
- যিমানদূৰসম্বৰ, যন্ত্ৰৰদ্বাৰাকৃষিকৰ্মকৰাটোভাল আৰু একেবাৰেপ্ৰয়োজনীয়সংখ্যককমীহেনিয়োগকৰাউচিত।
- সকলোবোৰযন্ত্ৰসজুঁলিআৰম্ভণিতে আৰু কৃষিকৰ্মৰএটানিৰ্দিষ্টসময়ৰব্যৱধানতবিজাগুমুক্তকৰিথাকিবলাগে। যাতায়তৰ প্ৰয়োজনীয়সকলোবোৰযানৰাহন আৰু ব্যৱহাৰযুক্তবেগ (gunny bag) অথবাপেকেটথকাবস্তুবিজাগুমুক্তকৰিবাখিবলাগে।
- উৎপাদিতসামগ্ৰীৰসংগ্ৰহ ৩-৪ ফুটব্যৱধানতখুবকমসংখ্যকবদ্বাৰাকৰাউচিত আৰু কৃষিক্ষেত্ৰপ্ৰস্তুতকৰণতএজনবাদুজনকজড়িতকৰাউচিতিযাতেতাতজনসমাগমকমহয়।
- গোমধান আৰু বাদামশ্যচপোৱাৰ বাবে ব্যৱহৃতকৃষিসজুঁলিসমূহ, বিশেষকৈযেতিয়াকৃষিসজুঁলিসমূহভাগবতৰাকৰিলোৱাহয়বা গোটেৰহাবকৰেতেনক্ষেত্ৰসেইসমূহভালদৰেচাফ-চিকুণকৰিবিজাগুমুক্তকৰিল'বলাগে কৃষিসজুঁলিসমূহৰপ্রতিটোঅংশইযিবোৰকৃষকসকলসঘনেচুইথকাসেইঅংশসমূহচাবোনেৰেধুবলাগে।

পামৰপৰাউৎপাদিতশ্যৰচপোৱাবপিছৰব্যৱস্থাপনা, সংৰক্ষণ আৰু বিপননঃ



- উদ্যানশস্যৰ (যেনে- আম) ফলগাসময়তকৰাপৰিচৰ্যায়েনে- পোষকমৌলস্পেকৰা আৰু  
শস্যৰক্ষাৰক্ষেত্ৰসারধানতালোৱাত্যন্তজৰুৰীয়েনেৰাসায়নিককীটনাশকৰব্যৱহাৰ,      প্ৰয়োগ  
আৰু ইয়াৰলগতজড়িতসামগ্ৰীসমূহৰধোৱাপঁখলাইত্যাদি।
- শালিধানচপোৱাৰপিছতকৰাগ্ৰীস্মকালিনমাহজাতীয়শস্যপ্ৰধানব্যাধি  
'হালধীয়ামোজাইকভাইৰাছৰোগ'  
ক্ষেত্ৰতলবলগীয়াশস্যৰক্ষাৰক্ষেত্ৰত্যথাযথসুৰক্ষাব্যৱস্থালবলাগে।

ৰ

## ভারত সরকারের সুপারিশ কৃত করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) সংক্রমণের জন্য দেশব্যাপী লকডাউন এর সময়ে কৃষকদের জন্য কৃষিকার্যের নির্দেশাবলী :

দেশব্যাপী লকডাউনের সময় কৃষি ও কৃষি সংক্রান্ত কার্যকলাপ যাতে নির্বিশ্বে ও নিয়মিতভাবে করা যায় সেইজন্য  
ভারত সরকার কয়েকটি নির্দেশ জারী করেছে কৃষকদের সুবিধার জন্য সেই সমস্ত নির্দেশাবলী এখানে দেওয়া হল -

### দেশব্যাপী লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা কৃষি ও কৃষি সম্পর্কিত কাজকর্ম:

১. পশু হাসপাতালের কাজকর্ম।
২. কৃষিপণ্য ক্রয় ও ন্যূনতম সমর্থন মূল্যে সংশ্লিষ্ট কাজে যুক্ত সংস্থার কাজকর্ম।
৩. কৃষিজাত পণ্যের বাজার কমিটি (এপিএমসি) বা রাজ্য সরকার অনুমোদিত কৃষিবাজার বা মাণিসমূহ।
৪. কৃষক বা কৃষি শ্রমিক দ্বারা জমিতে বিভিন্ন কৃষিকাজ।
৫. কৃষিব্রূপাতি ভাড়া দেওয়ার সংস্থার (কাস্টম হায়ারিং সেন্টার) কাজকর্ম।
৬. সার/কীটনাশক/বীজ উৎপাদনকারী সংস্থার উৎপাদন ও প্যাকেজিং এর কাজকর্ম।
৭. শস্য বোনা বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত যন্ত্রসামগ্রী যেমন কম্বাইন হারভেস্টার এবং অন্য যন্ত্রপাতির আন্তঃরাজ্য ও রাজ্যের মধ্যে বিভিন্ন জায়গায় যাতায়াত।
৮. কৃষিকার্যের যন্ত্রপাতির দোকান, প্রয়োজনীয় মেশিনপত্রের আদান প্রদান বা সারানোর দোকান অবশ্যই খোলা রাখা যাবে।
৯. হাইওয়েতে পেট্রোল পাম্প বা তৎসংলগ্ন গাড়ি সারানোর দোকান খোলা রাখা যাবে।
১০. চা বাগানে (পাতা তোলা বা গাছ বসানো) কাজ নিয়মিতভাবে করা যাবে, তবে কখনোই সর্বাধিক ৫০ শতাংশের বেশি শ্রমিক কাজ করতে পারবে না।

লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা এই সমস্ত বিভাগ দেশের কৃষিকার্যের দৈনন্দিন কাজকর্মকে বাধাহীনভাবে এগিয়ে  
নিয়ে যেতে সাহায্য করবে যা নিত্য প্রয়োজনীয় কৃষিপণ্যের যোগানকে মসৃণ রাখবে এবং লকডাউনের সময়ে কৃষকরা  
কৃষিকাজে কোনরকম অসুবিধার সম্মুখীন হবে না। এই নির্দেশ যাতে সঠিকভাবে কার্যকরী হয় তার জন্য প্রয়োজনীয়  
নির্দেশ ইতিমধ্যেই সমস্ত রাজ্য সরকার বা কেন্দ্র শাসিত অঞ্চলের সংশ্লিষ্ট মন্ত্রক বা দপ্তরকে জানানো হয়েছে।

(\*স্বরাষ্ট্র মন্ত্রক, ভারত সরকারের নির্দেশনামা: 40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 & 6 in exceptions এবং ৮থেকে ১০ নং পয়েন্ট গুলি ভারত সরকারের  
স্বরাষ্ট্র মন্ত্রকের নির্দেশনামার(40-3/2020-DM-I (A) dated 24.03.2020) চতুর্থ সংশোধনী অনুযায়ী লিপিবদ্ধ।)

ভারত সরকারের নীতি নির্দেশিকা অনুযায়ী রাজ্য সরকারগুলির বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তর থেকে কিছু নির্দেশাবলী জারী করা  
হয়েছে যাতে কৃষি ও সংশ্লিষ্ট কাজকর্ম বাধাহীন ও নিরবচ্ছিন্নভাবে হয়।

### কৃষকদের জন্য পরামর্শ

#### ফসল কাটা, মাড়াই, বাড়াই ও সংগ্রহ

করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) নামক মহামারীর ব্যাপক সংক্রমণ এমন সময়ে দেখা দিয়েছে যখন রবি মরশুমের  
বিভিন্ন ফসল ঘরে তোলার সময়। মাঠ থেকে এই রবিশস্য সংগ্রহ ও তা ঝাড়াই মাড়াই করে বাজারজাত করার কাজ  
ইত্যাদি পুরোপুরি সময় নির্ধারিত ব্যাপার। এই বিপর্যয়ের সময়ে দাঁড়িয়ে কৃষকদেরকে সবরকমের সতর্কতা ও সাবধানতা  
নিতেই হবে যাতে করে এই মহামারী ছাড়িয়ে না পড়ে। এর জন্য কিছু সাধারণ ও সহজ ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে যেমন

যে কোন সাবান দিয়ে অন্তত ২০ সেকেন্ড ধরে হাত ধোয়া, ৬০-৭০ শতাংশ অ্যালকোহল দ্রবণ দিয়ে হাত ও যন্ত্রপাতি মুছে নেওয়া, মুখে মাস্ক পরা, সুরক্ষা মূলক পোশাক পরা, একে অপরের থেকে নির্ধারিত নিরাপদ দূরত্ব (১- ২ মিটার) বজায় রাখা এবং সঠিকভাবে কৃষি যন্ত্রপাতি পরিষ্কার ও পরিচ্ছন্ন রাখা। কৃষকরা ও কৃষি শ্রমিকগণ সমস্তরকম কৃষিকাজের প্রতিটি ধাপেই এই সতর্কতামূলক আচরণবিধি ও নিরাপদ দূরত্ব অতি অবশ্যই মেনে চলবেন।

1. দেশের উত্তরভাগের রাজ্যগুলিতে এখন গম কাটার সময় আসছে এবং এরজন্য কম্বাইন হারভেস্টারের রাজ্যের মধ্যে ও রাজ্যের বাইরে যাতায়াতকে লকডাউনের আওতা থেকে বাদ রাখা হয়েছে ও এর জন্য প্রয়োজনীয় অনুমতিও দেওয়া হয়েছে। কিন্তু এই যন্ত্রপাতির রক্ষণাবেক্ষণ, সারানো বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত কর্মীদের জন্য আবশ্যিক সতর্কতামূলক সুরক্ষাব্যবস্থা সুনির্ণিত করতে হবে।
2. রবি মরশুমে সরিয়া হল দ্বিতীয় গুরুত্বপূর্ণ ফসল যা কৃষকরা এখন হয় মাঠ থেকে ফসল তুলছেন বা ঝাড়াইয়ের কাজে ব্যস্ত আছেন।
3. জমি থেকে মুসুর, ভুট্টা এবং লঙ্কা তোলার কাজ চলছে এবং ছোলাও খুব শীত্রিই সংগ্রহ করা হবে।
4. মাঠ থেকে আখ কাটা এই মুহূর্তে পুরোদমে চলছে এবং উত্তরের রাজ্যগুলিতে আখ লাগানোর কাজও শুরু হয়ে গেছে।
5. ফসল তোলার সময় এবং তার আগে ও পরে যথোপযুক্তভাবে ব্যক্তিগত পরিচ্ছন্নতা এবং সামাজিক দূরত্বের বিষয়গুলি পালন করতে হবে।
6. যেসব জায়গায় হাত দিয়ে মাঠের ফসল তোলা ইত্যাদি কাজগুলি করতে হবে সেখানে এইসমস্ত কাজগুলি এমনভাবে করতে হবে যাতে কর্মরত প্রতিটি মানুষের মাঝখানে ৪ - ৫ ফুটের নিরাপদ দূরত্ব বজায় থাকে। এক্ষেত্রে ৪ - ৫ ফুট দূরে দূরে কয়েকটি সারির ফসল কাটার দায়িত্ব এক একজনকে দেওয়া যেতে পারে যাতে কৃষক বা কৃষি শ্রমিকদের মধ্যে যথেষ্ট দূরত্ব বজায় থাকে।
7. মাঠে কর্মরত প্রতিটি মানুষের উচিত জীবাণুপ্রতিরোধী মুখোশ পরে কাজ করা এবং বারেবারে সাবান দিয়ে নিজেদের হাত ধুয়ে নেওয়া।
8. মাঠে কাজের ফাঁকে বিশাম নেওয়া, খাবার খাওয়া এবং তারপরে ফসল নিয়ে যাওয়ার সময়-সরক্ষেত্রেই উচিত পারস্পরিক দূরত্ব নিরাপদ সীমার মধ্যে (৪ - ৫ ফুট) রাখা।
9. মাঠে কাজ করার সময় যতটা সম্ভব ছাড়িয়ে ছিটিয়ে কাজ করতে হবে। একই দিনে আধিক সংখ্যক লোককে কাজে নিযুক্ত না করাই ভালো।
10. এই সময়ে যথাসম্ভব পরিচিত মানুষজনকেই মাঠের কাজে নিযুক্ত করা ভালো, এতে করে সম্ভাব্য করোনা ভাইরাস জীবাণু বহনকারী কোন মানুষের থেকে মাঠে নিযুক্ত অন্যান্য লোকের মধ্যে এই রোগ ছাড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা এড়ানো যাবে।
11. হাতে করে ফসল কাটার চাইতে যত্রের সাহায্যে ফসলকাটাকে অগ্রাধিকার দিতে হবে। যন্ত্র চালানোর জন্য যেকজন লোকের প্রয়োজন কেবলমাত্র সে'কজনকেই এই কাজে লাগাতে হবে।
12. ফসল কাটার যন্ত্রগুলিকে প্রবেশপথে নিয়মিতভাবে জীবাণুমুক্ত করতে হবে। ফসল বা উৎপাদন সামগ্রী বহন করার গাড়ি এবং বস্তাবন্দী করার যন্ত্র, বস্তা ও অন্যান্য প্যাকেজিং সামগ্রীও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। ফসল তোলার সময় তা ৪ - ৫ দূরে দূরে ছোট ছোট স্তুপে করে এক একটি স্তুপের দায়িত্ব ১ - ২ জনকে দেওয়া যেতে পারে।
13. ভুট্টা ও চীনাবাদাম ঝাড়নের যন্ত্রগুলিকে বিশেষ করে যেগুলি বিভিন্ন কৃষকগোষ্ঠী দ্বারা ব্যবহৃত হয় সেগুলিকে উপযুক্তভাবে পরিষ্কার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। মেশিনের যেসমস্ত যন্ত্রাংশ বারেবারে হাতদিয়ে ব্যবহার করা হয় সেগুলিকে সাবানজল দিয়ে পরিষ্কার করতে হবে।

## ফসলতোলা, গুদামজাতকরণ এবং বাজারজাত করার সময়ে সতর্কতা

1. কৃষিখামারে ফসল শুকানো, বাড়াই, মাড়াই, পরিষ্কার করা এবং প্যাকেজিং এর বিভিন্ন স্তরে যাতে করে শ্বাসনালীতে ধূলো এবং এরোসল প্রবেশ করে শ্বাসকষ্ট ঘটাতে না পারে সেজন্য মুখে মাস্ক ব্যবহার করতে হবে।
2. শস্যের গুদামজাত করার আগে সেগুলিকে ভালোভাবে শুকিয়ে নেওয়া দরকার। গুদামের পোকা যাতে আক্রমণ না করে সেজন্য পুরানো বস্তা ব্যবহার করা উচিত নয়। চট্টের বস্তাকে ৫ শতাংশ নিম দ্রবণে ডুবিয়ে শুকিয়ে নিয়ে ব্যবহার করলে ভালো হয়।
3. ভবিষ্যতে ফসলের ভালো দাম পাবার সম্ভাবনাকে সুনির্ণিত করতে এবং খামারে উৎপাদিত শস্যকে যাতে পূর্ণমাত্রায় গুদামজাত করা যায় সেজন্য পর্যাপ্ত সংখ্যায় চট্টের বস্তা মজুত আছে কিনা তা আগেভাগেই দেখতে হবে।
4. বাজার/মাস্তিতে বিক্রি করার সময় যখন ফসল গাড়িতে তোলা হবে এবং নিয়ে যাওয়া হবে, তখন উপযুক্তভাবে ব্যক্তিগতস্তরে জীবাণুপ্রতিরোধী নিরাপত্তা ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
5. যে সমস্ত কৃষকরা বীজ উৎপাদন করছেন তারা বীজ বিক্রয়ের জন্য উপযুক্ত নথিপত্রসহ বীজ বিক্রেতা কোম্পানিতে নিয়ে যেতে পারবেন। বিক্রয়মূল্য গ্রহণের সময়ও তাদের উপযুক্ত সতর্কতামূলক ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
6. বীজ উৎপাদনকারী রাজ্যগুলি থেকে বীজ প্রক্রিয়াকরণ এবং প্যাকেজিং করে বীজব্যবহারকারী রাজ্যগুলিতে পরিবহন হওয়া অত্যন্ত প্রয়োজনীয় যাতে করে পরবর্তী খরিফ মরণমে বীজের যোগান অক্ষুণ্ণ থাকে, যেমন সবুজ গোখাদের বীজ যা উত্তরের রাজ্যগুলিতে এপ্রিল মাসে বোনা হয় তা দক্ষিণের রাজ্যগুলি থেকেই আসে।
7. মাঠ থেকে বিভিন্ন শাকসবজি যেমন টম্যাটো, ফুলকপি, বিভিন্ন ধরণের শাক, শসা, লাউ, কুমড়া ইত্যাদি সরাসরি বাজারজাত করার জন্য ব্যবস্থাগ্রহণ ও সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।

## বর্তমানে মাঠে থাকা ফসলসমূহ

1. যে সমস্ত এলাকায় গম চাষ হয় সেখানকার তাপমাত্রা দীর্ঘমেয়াদী গড় তাপমাত্রার থেকে এখনও বেশ অনেকটা নিচে। যার ফলে গম কাটা ১০-১৫ দিন পিছিয়ে এপ্রিল মাসের ২০ তারিখ পর্যন্ত করলেও ফসলের উৎপাদন খুব বেশি ক্ষতিগ্রস্ত হবে না। এতে কৃষকরা বাড়াই-মাড়াই করে বাজারজাত করার জন্য বাড়তি অনেকটা সময় পাবেন।
2. দক্ষিণ ভারতের বিভিন্ন রাজ্যে মাঠের বোরো ধান এখন দানার পুষ্টি দশায় আছে। এইসময় ঝলসা (নেক প্লাস্ট) রোগের আক্রমণের সম্ভাবনা দেখা দিতে পারে। এরজন্য বিশেষজ্ঞদের সুপারিশ করা নির্দিষ্ট ছত্রাকনাশক যেমন ট্রায়াজোল বা স্ট্রিবিলিউরিন স্প্রে করা যেতে পারে।
3. পাকা ধান মাঠে থাকা অবস্থায় যদি অসময়ে বৃষ্টি হয় তাহলে গাছেই দানার অক্ষুরোদগম (কল হওয়া) আটকাতে ৫ শতাংশ লবণজল স্প্রে করা যেতে পারে।
4. আম গাছে এখন মুকুল থেকে গুটি ধরছে। এই অবস্থায় স্প্রে করে সার বা শস্য সুরক্ষার জন্য কীটনাশক ও ছত্রাকনাশক প্রয়োগ করার সময় বিভিন্ন সামগ্রী বহন করা, মেশানো এবং যন্ত্রপাতি ধূয়ে পরিষ্কার করার সময় প্রয়োজনীয় সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।
5. গ্রীষ্মকালীন ডালশস্য যেমন মুগ ইত্যাদিতে সাদা মাছির আক্রমণ ও তার ফলে হলুদ মোজেয়িক ভাইরাস রোগ হতে পারে। এক্ষেত্রেও নিজেদের সুরক্ষা সাবধানতা অবলম্বন করে প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।

## COVID-19 ને કારણે લોકડાઉન સમયગાળા દરમિયાન ખેડૂતો અને બેતી ક્ષેત્ર માટે કૃપી-સવાહ

ભારત સરકાર માર્ગદર્શિકા\* બહાર પાડી છે જેથી કૃપી અને તેનાથી જોડાયેલા ક્ષેત્રની મહત્વપૂર્ણ પ્રવૃત્તિઓ નિર્ધારિત સાવચેતીઓને ધ્યાનમાં રાખીને ચાલુ રહે. ખેડૂતોના ફાયદા માટે, અહીં તેનો સારાંશ સૂચિબદ્ધ કરવામાં આવેલ છે.

### **લોકડાઉનમાંથી મુક્ત રાખવામાં આવેલ કૃપી અને સંલગ્ન પ્રવૃત્તિઓ\***

1. પશુ ચિકિત્સાલયો
2. એમએસ્પી (મિનિમમ સપોર્ટ પ્રાઇઝ) કામગીરી સહિતની કૃપી ઉત્પાદનોની ખરીદીમાં રોકાયેલ એજન્સીઓ
3. બેતીવાડી ઉત્પન્ન બજાર સમિતિ દ્વારા સંચાલિત અથવા રાજ્ય સરકાર દ્વારા સૂચિત ‘મંડીઓ’
4. બેતરમાં ખેડૂતો અને બેત કામદારો / મજૂરો દ્વારા થતી બેત કામગીરી
5. ફાર્મ મશીનરી સંબંધિત કસ્ટમ હાયરિંગ સેન્ટર્સ (સીએચ્સી)
6. ખાતર, જંતુનાશકો અને બીજના ઉત્પાદન અને પેકેજિંગ એકમો
7. કૃપી અને બાગાયતના કાપણી અને વાવણી સંબંધિત કમાઈડ હાર્વેસ્ટર તથા અન્ય મશીનો / સાધનોની રાજ્ય તથા આંતર રાજ્ય અવર-જવર
8. કૃપી મશીનરી, તેના સ્પેરપાટર્સ (તેની સપ્લાય ચેર્ચન સહિત) અને મરામત / રિપેરિંગ ની દુકાનો ખુલ્લી રહેશે
9. હાઈવે પર ટ્રક સમારકામ માટેની દુકાનો, ખાસ કરીને પેટ્રોલ / ડીઝલ પંપ પર
10. ચા ઉદ્યોગ, વાવેતર સહિત વધુમાં વધુ 50% કામદારો સાથે

\*ક્રમ (૧ થી ૭) ભારત સરકારના ગૃહ મંત્રાલયની માર્ગદર્શિકા No.40-3/2020-DM-I(A) તારીખ ૨૪, ૨૫ અને ૨૭ માર્ચ ૨૦૨૦ની કલમ ૨, ૪, ૫ અને ૬ ના અપવાદ ના ઉમેરા સાથે તથા ક્રમ (૮ થી ૧૦) તારીખ ૨૪.૩.૨૦૨૦ના એમ.એચ.એ.(ગૃહ મંત્રાલય) ઓર્ડર No.40-3/2020-DM-I(A) સાથે જોડાયેલી માર્ગદર્શિકાના પરિશિસ્ટ ક્રમાંક ૪ મુજબ.

આ છૂટ આવશ્યક પુરવઠો સુનિશ્ચિત થાય તે હેતુથી કૃપી અને બેતીને લગતી પ્રવૃત્તિઓ કોઈ પણ અવરોધ વિના ચાલુ રહે અને ખેડૂતોને તાળાબંધી (લોક ડાઉન) દરમિયાન મુશ્કેલી ન પડે તે માટે મદદરૂપ થશે.

ભારત સરકારના નીતિ નિર્દેશોના આધારે વિવિધ મંત્રાલયો / રાજ્ય સરકારોના વિભાગોએ કૃપી અને સંલગ્ન ક્ષેત્રોને લગતી પ્રવૃત્તિઓ ચાલુ રાખવા માટે અમલીકરણ માર્ગદર્શિકા જરી કરેલ છે.

## ખેડુતો માટે સલાહ

### પાકની કાપણી અને લાણણી

COVID-19 ફેલાવાના ભય વચ્ચે, રવી પાકો પરિપક્વતાની નજીક આવી રહ્યા છે. કૃષિ કાર્યો ની સમય સીમા જગ્યાવી જરૂરી હોવાથી પાકોની કાપણી તથા તે ઉત્પાદનોને બજારમાં પહોંચાડવા સુધીના તમામ કાર્યો સમયસર થાય તે અનિવાર્ય છે. આમ છતાં, ખેડુતોએ આ રોગના ફેલાવાને રોકવા માટે લેવામાં આવતી સાવચેતી અને સલામતીનાં પગલાઓનું પાલન કરવું જરૂરી છે. સરળ પગલાંમાં સામાજિક અંતર, સાબુથી હાથ ધોવા, વ્યક્તિગત સ્વરચ્છતા જગ્યાવી, ચહેરા પર માસ્ક પહેરવો, રક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા તથા સાધનો અને મશીનરીની સફાઈ અગત્યના છે. ખેત કામગીરીની સંપૂર્ણ ગ્રદ્ધિયામાં પ્રત્યેક પળે કાર્યકરો સલામતીનાં પગલાં અને સામાજિક અંતરનું પાલન કરે તે ખૂબ જરૂરી છે.

- ઉત્તરના ઘણા રાજ્યોમાં ઘઉંની લાણણી કંબાઈન્ડ હર્વેસ્ટર (સંયુક્ત લાણણી કરનાર મશીન) દ્વારા થઈ રહી છે અને તેમની રાજ્યની અંદર અને આંતર રાજ્ય અવર-જવરને મંજૂરી આપવામાં આવી છે. સમારકામ, જગ્યાવણી અને લાણણી કામગીરીમાં રોકાયેલા કામદારોની સલામતી અને સાવચેતીનાં પગલાં લેવાની તક્કેદારી અવશ્ય રાખવી.
- રાઈ (રાયડો / સરસવ) ભીજો મહત્વનો રવિ પાક છે. તેની ખેત મજૂરો દ્વારા કાપણીચાલી રહી છે તથા જ્યાં કાપણી થઈ ગઈ છે ત્યાં લાણણી / શ્રેણિંગ થવાનું છે.
- મસૂર, મકાઈ અને મરયાંની ખેતી ચાલુ છે અને ચાણાનો પાક ઝડપથી પરિપક્વ થઈ રહ્યો છે.
- શેરડીની કાપણી ટોચ પર છે અને ઉત્તરના રાજ્યોમાં ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે વાવેતર માટેનો પણ આ સમય છે.
- ખેતી પાકો, ફળો, શાકભાજ ની કાપણી/ લાણણી તથા મરદાં પાલન (ઈડા) અને માછલી પાલન (માછીમારી) જેવા કાર્યોમાં રોકાયેલ તમામ કાર્યકરો કામની શરૂઆત, કામ દરમ્યાન તથા કાર્ય પૂર્ણ થયા બાદ વ્યક્તિગત સ્વરચ્છતા અને સામાજિક અંતરની તક્કેદારી અવશ્ય લે તે જરૂરી છે.
- ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે કરવામાં આવતા કાપણી અને લાણણી જેવા કાર્યો માટે ૪ થી ૫ ફૂટનું અંતર રહે તેવી રીતે રેખાઓ દોરીને દરેક કાર્યકર / ખેત મજૂરને વ્યક્તિગત રેખાઓમાં રહી કાર્ય કરવું. આવી રીતે કાર્ય કરનાર મજૂરો / કાર્યકરો વચ્ચે યોગ્ય વ્યક્તિગત અંતર સુનિશ્ચિત કરી શકાશે.
- કાર્યમાં રોકાયેલા તમામ વ્યક્તિઓએ માસ્કનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ અને યોગ્ય સમયાંતરે સાબુથી હાથ ધોવાનું સુનિશ્ચિત કરવું જોઈએ.
- કાર્ય દરમ્યાન આરામ કરતાં, ભોજન કરતાં, ખેત ઉત્પાદનના સ્થળાંતર તથા તે માટે ભરતા / ઉતારતા (લોડિંગ / અનલોડિંગ) સમયે વ્યક્તિગત ગ્રાણ (૩) થી ચાર (૪) ફૂટનું અંતર જગ્યાવવું જરૂરી છે.
- જો શક્ય હોય તો ખેત કાર્યોને નાના નાના સમયાંતરે કરવા અને એકે જ દિવસે વધુ સંખ્યામાં વ્યક્તિઓને રોકવાનું ટાળવું.
- ખેત કાર્યો દરમિયાન કોઈ શંકાસ્પદ અથવા સંભવિત વાહકના પ્રવેશને ટાળવા માટે શક્ય ત્યાં સુધી વાજબી તપાસ પછી ફૂકત પરિચિત વ્યક્તિઓને જ કાર્યો માટે રોકવા.
- જ્યાં શક્ય હોય ત્યાં મેન્યુઅલ કરતાં યાંત્રિક કામગીરીને વધુ પસંદ કરો. ફૂકત જરૂરી સંખ્યામાં જ વ્યક્તિઓને મશીનથી કામ કરવા માટે મંજૂરી આપો.

- મશીનને ખેતર પર લાવતા સાથે જ ઉપયોગમાં લેતા પહેલા તથા નિયમિત સમયાંતરે સક્ષાઈ કરી જંતુરહિત કરવા જોઈએ. તમામ પરિવહન વાહનો, શાળણા કોથળા અથવા અન્ય પેકેજિંગ સામગ્રીને પણ સ્વરચ્છ / જંતુરહિત કરવી જોઈએ.
- લાણણી કરેલ ખેત ઉત્પાદનોને 3 – 4 ફૂટના અંતરે નાના ઢગલાઓમાં ભેગું કરવું અને ભીડને ટાળવા ખેત કષાએ તેના પ્રોસેસિંગ માટે 1 થી 2 વ્યક્તિ/ ઢગલા પ્રમાણે કાર્ય સૌંપવું.
- ખાસ કરીને જ્યારે બેડૂત જૂથો દૃવારા મશીનો આપ-લે કરવામાં આવે છે અને તેનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે ત્યારે લાણણી કરેલ મકાઈ અને મગજણી માટે વપરાતા શ્રેશર્ણની યોગ્ય સ્વરચ્છતા અને સક્ષાઈ જગવી રાખવી. મશીનના દેરેક ભાગોને વારંવાર સાબુથી સ્વરચ્છ કરવા સલાહભર્યું છે.

### **લાણણી બાદ, ખેત ઉત્પાદન સંગ્રહ અને ખેત પેદાશોનું માર્કેટિંગ**

- ખેત કષાએ સૂક્વાણી, શ્રેણિંગ, સક્ષાઈ, ગ્રેડિંગ અને પેકેજિંગ જેવી તમામ કામગીરી કરતી વખતે, રક્ષણાત્મક માસ્ક ચહેરા પર પહેરવાથી એરોસોલ્સ અને ધૂળના કણો દૃવારા થતી શ્વસનની મુશ્કેલીઓને રોકવા માટે મદદ મળી શકે છે.
- ખેતરમાં / ધરમાં લાણાયેલા અનાજ, બાજરી, કઠોળનો સંગ્રહ કરતા પહેલા યોગ્ય સૂક્વાણીની ખાતરી કરો અને જંતુના ઉપદ્રવને રોકવા માટે પાછલી ઋતુમાં વપરાયેલ શાળણા કોથળાનો ફરીથી ઉપયોગ ન કરો. લીમડાના 5 % દ્રાવણમાં પલાળીને સુકાવેલ શાળણા કોથળાનો ઉપયોગ કરો.
- ખેત પેદાશોના વધુ સારા ભાવ મેળવવા માટે બેડૂતોએ ખેતર પર પેદાશોને સંગ્રહવા માટે શાળણા કોથળાનો ઉપયોગ કરવામાં પૂરતી કાળજી લેવી. પૂરતી સંખ્યામાં શાળણા કોથળાં નજીકના કોલ સ્ટોરેજ / ગોડાઉન / વેરહાઉસોમાં ઉપલબ્ધ છે.
- ખેત પેદાશોના લોડિંગ અને પરિવહન માટે અને માર્કેટ યાર્ડ્સ / હરાજી પ્લેટફોર્મ પર વેચાણમાં ભાગ લેતી વખતે વ્યક્તિગત સલામતીના પૂરતા પગલા લેવા.
- બીજ ઉત્પાદક બેડૂતોને સહાયક દસ્તાવેજો સાથે બીજ કંપનીઓમાં પરિવહન કરવાની મંજૂરી છે. ચુક્વણી પ્રાપ્ત કરતી વખતે સાવયેતીનું પાલન કરવું.
- બીજ પ્રોસેસિંગ / પેકેજિંગ અને બીજ ઉત્પાદક રાજ્યોથી બીજ ઉગાડતા રાજ્યો (દક્ષિણથી ઉત્તર) સુધી બીજનું પરિવહન ખરીદ ઋતુના પાકોનું વાવેતર સુનિશ્ચિત કરવા માટે ખૂબ જરૂરી છે. દા.ત. ઉત્તરના રાજ્યોમાં એપ્રિલમાં વાવણી માટે લીલા ધાસચારાનું એસએસજી બીજ દક્ષિણના રાજ્યોમાંથી આવે છે.
- ટામેટો, કોબીજ, લીલા પાંછાવાળા શાકભાજી, કાકડીઓ અને ખેતરોના અન્ય કાકડી જેવા શાકભાજીના સીધા માર્કેટિંગ / સાખાય માટે સાવયેતી રાખવી.

### **ખેતરમાં ઉલ્લેખા (સ્થાયી) ક્ષેત્ર પાક**

- ધઉં ઉગાડનારા મોટાભાગના વિસ્તારોમાં તાપમાન હજી પણ લાંબા ગાળાના સરેરાશથી નીચું છે અને ધઉના પાકની કાપણીને 10 એપ્રિલ પછી પણ ઓછામાં ઓછા 10-15 દિવસ વિલંબ થવાની સંભાવના છે, તેથી, બેડૂતો કોઈ નોંધપાત્ર નુકસાન કર્યા વિના ધઉના પાકની કાપણી 20 એપ્રિલ સુધી લંબાવી શકે છે. આથી, ખરીદી અને તારીખોની ઘોષણા માટે તથા લોજિસ્ટિક્સ મેનેજ કરવા માટે પૂરતો સમય મળી રહેશે.

- દક્ષિણા રાજ્યોમાં રવિ ઋતુના ડાંગરના પાકમાં દાણા ભરાવાના પાકના તબક્કે ડાંગરમાં નેક બલાસ્ટના રોગને કારણે વ્યાપક અસર થયેલ છે. કરાર દ્વારા છંટકાવ કરનાર / જેડુતો દ્વારા ભલામણ કરવામાં આવતા ફૂગનાશક દવાના છંટકાવ વખતે પૂરતી સાવયેતી રાખવી જોઈએ.
- ડાંગરની લાણણીના તબક્કે કોઈ વાતાવરણીય વરસાદની સ્થિતિમાં, બીજ અંકુરણને રોકવા માટે 5% મીઠાના ટ્રાવણુંનો છંટકાવ કરવો.
- ભાગાયતી પાકોમાં ફળ બેસવાના સમયે, દા. ત. કેરી, પોષક તત્ત્વોના સ્પે અને પાક સંરક્ષણને લગતી જેત કામગીરી હાથ ધરવામાં આવે ત્યારે ઈનપુટ્સના મિશ્રણ અને વપરાશ વખતે તથા વપરાશમાં લેવાતા ઉપકરણો ધોવા માટે પૂરતી સાવયેતી લેવી.
- ઉનાળુ કઠોળમાં, પીળા મોઝેક વાયરસના રોગને રોકવા માટે સફેદમાખીના વ્યવસ્થાપન સહિત સલામતીનાં યોગ્ય પગલાં લેવા.

## KANNADA

### ಕೋಂಟೆ-19 ಸಂಧಿಗ್ರಹ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಕನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದ ರೈತರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು ಹಾಗೂ ಸಲಹೆಗಳು

ಕೋರೋನಾ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ ಸಾಂಕ್ರಾಂತಿಕ ರೋಗವನ್ನು ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಮೂಲಕ ಹರಡಿರಲು ಪಾಲಿಸಬೇಕಾದ ಮುನ್ಸೆಚ್ಚರಿಕಾ ಕ್ರಮಗಳು

1. ಕಾರ್ಮಿಕರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಒಂದು ಸಾಲಿನಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಸಾಲಿಗೆ 4-5 ಅಡಿ ಅಂತರ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಕೆಲಸಗಾರರಿಗೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕು, ಇದರಿಂದ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಅಂತರವನ್ನು ಇಬ್ಬರು ಕಾರ್ಮಿಕರ ನಡುವೆ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
2. ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತವಾಗಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಮುಖಿಗವಸನ್ನು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ಧರಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ ಸೋಪು ನೀರಿಂದ ಕ್ರೇಂಡ್‌ನ್ನು ತುಢಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
3. ವ್ಯಕ್ತಿಯಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ 3-4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ವಿಶ್ಲಾಂತಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವಾಗ, ಇಳಿಸುವಾಗ/ಹೊತ್ತೊಯ್ದು ಅಡಕಿಸುವಾಗ ಹೀಗೆ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
4. ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಗೆ ಪರಿಚಯಸ್ಥ ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನಷ್ಟೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಮಾರ್ಗ ವಿಚಾರಿಸಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಏಕೆಂದರೆ, ಅಪರಿಚಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ರೋಗಾನು ವಾಹಕರಾಗಿರಬಹುದಾದ ಸಾಧ್ಯತೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ಆರೋಗ್ಯವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನಷ್ಟೆ ನಿಯೋಜಿಸಿ.
5. ಎಲ್ಲಾ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳು ಕಾರ್ಯಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುನ್ನ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ ತುಢಗೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾಗಾಣ ವಾಹನಗಳು, ಗೋಳಿ ಜೀಲಗಳು ಅಥವಾ ಇನ್ನಾವುದೇ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅಡಕಗೊಳಿಸುವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳಿಂದ ತುಢಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
6. ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮತ್ತು ಶೇಖರಣೆ ಕೇಂದ್ರಗಳಲ್ಲಿ 5 ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಿಗಂತ ಹೆಚ್ಚು ಜನರು ಒಂದೆಡೆ ಇರಬಾರದು. ಎಲ್ಲಾ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ಶುಚಿತ್ವವನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
7. ಅಗತ್ಯವಿರುವಪ್ಪು ಮುಖಿಗವಸುಗಳು/ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು/ಕ್ರೇತೋಳೆಯುವ ಸೋಪು ಮತ್ತು ನೀರು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
8. ಎಲ್ಲಾ ಕೃಷಿ ಪರಿಕರಗಳ ಅಂಗಡಿಗಳು ತರೆದಿರಬೇಕು. ಕೃಷಿಕರು ಈ ಅಂಗಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಬೀಜ, ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಪರಸ್ಪರ 4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
9. ಹಣ ಪಾವತಿಯನ್ನು POS ಯಂತ್ರದ ಮೂಲಕ ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ ಬಾರಿ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕದಿಂದ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಹಾಗೂ ಬಳಕೆದಾರರ ಕ್ರೇ ಅಥವಾ ಬೆರಳಗಳನ್ನು ತುಢಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
10. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳಾದ ಹಣ್ಣು ಮತ್ತು ತರಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸ್ಥಳೀಯ ಅಥವಾ ಹೊರ ಜಿಲ್ಲೆಗಳ/ರಾಜ್ಯಗಳ ಮಾರುಕಟ್ಟಿಗಾಗಿ ಕೊಂಡೊಯ್ದಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
11. ಕೃಷಿಕರು ತಮ್ಮ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳಿಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿಯೇ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
12. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳು ಮುಖಿಗವಸುಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಗೆ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಂಗ್ರಹ, ಅಡಕಗೊಳಿಸುವಾಗ ಹಾಗೂ ಸಾಗಾಟ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ನೀಡಿ ಅವರ ಸುರಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಕಾಪಾಡಬೇಕು.
13. ಸರ್ಕಾರದ ಆದೇಶದಂತೆ ತರಕಾರಿ ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಾಗಾಟ ಅನಿಬಂಧಿತವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಮೂರಕ ಸಹಾಯ ಮತ್ತು ಪರವಾನಗಿ ಪತ್ರಕ್ಕೆ ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತವನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
14. ರೈತ ಪರ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಶೇಖರಣೆ ಮತ್ತು ಮಾರಾಟಕ್ಕೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ.

## ಬೆಳಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸಲಹೆಗಳು:

- ಹೈದರಾಬಾದ್ ಕನಾರ್ಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಒಕ್ಕೆಗೆ ಬೇಕಾದ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಾಳಿಗೆ ನೀಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳ/ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ ಸಾಗಾಟ ಮತ್ತು ಕಳುಹಿಸಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಬೇಸಿಗೆ ಭತ್ತವನ್ನು ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ನಂತರ ಸೂಕ್ತ ಕಳೆ ನಾಶಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು. ಪರ್ಯಾಯವಾಗಿ ಕೃಷಿಕರು ನೇರ ಭತ್ತ ಬಿತ್ತನೆಯನ್ನು ತ್ರೇಮ್ ಸೀಡರ್ ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ಇದರಿಂದ ಕೊಲಿಕಾರರ ಸಮಸ್ಯೆ ಹಾಗೂ ವಿಚರಣೆ ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯ.
- ಇನ್ನು ಮುಂಬರುವ ಕೆಲವೇ ವಾರಗಳಲ್ಲಿ ಕನಾರ್ಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಶೇಂಗಾ ಕೊಯ್ಲು ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಲಿದೆ. ಕೃಷಿಕರು ಎಪ್ಪು ಸಾಧ್ಯವೇ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಯಂತ್ರದ ಕೊಯಿಲನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಬೇಕು. ಕೊಲಿಕಾರರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈಗಳೇ ಸರ್ಕಾರ ನಿಗದಿಮಾಡಿರುವ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳಾದ ವ್ಯೇಯತ್ತಿಕ ಅಂಶರ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು ಇತ್ತೂದಿ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಕೃಷಿಕರು ಈಗಳೇ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ತಯಾರಿರುವ ಬೆಳಗಳಿಗೆ ನೇರ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಆಯೋಜನೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು. ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ದೊರಕುವ ಶೀತಲಗ್ರಹಗಳನ್ನು ಶೇಖರಣೆಗಾಗಿ ಬಳಸಿ ಗತ್ಯಂತರವಿಲ್ಲದ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಮಾಡುವ ಅಪಾಯದಿಂದ ರಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಶೋಟಗಾರಿಕೆ ಬೆಳಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ ಹಾಗೂ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ಕೊಯ್ಲಿನ ಹಂತವನ್ನು ಮುಂದೂಡಲು ಪ್ರಯೋಜನಿಸಬೇಕು. ದಾಳಿಂಬೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಬಲಿಯುವ ಹಂತವನ್ನು ಸೂಕ್ತ ಪ್ರಮಾಣದ NAA ಬಳಸಿ ಮುಂದೂಡಬಹುದು.
- ದಾಕ್ಷಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲದಾಗ ಒಣಗಿಸಿ ಒಣದ್ರಾಕ್ಷಿಯನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಉತ್ತಮ. ದಾಕ್ಷಿ ಬಳಿಗಳ ಸವರುವ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ ಹಂತವನ್ನು ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಮುಂದೂಡುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು.
- ಮಾವು ಬೆಳಿಗೆ ಮ್ಯಾಂಗೋ ಸ್ಪೆಷಲ್ ಪೋಷಕಾಂಶ ಮೀಶನವನ್ನು ಸಿಂಪರಣೆ ಮಾಡಿ ಕಾಯಿಗಳ ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಬೆಳವಣಿಗೆಯನ್ನು ಉತ್ತಮಗೊಳಿಸಬಹುದು. ಹಣ್ಣು ನೊಣದ ಹಾವಳಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಹಣ್ಣುನೊಣದ ತಡೆಬಲೆಗಳನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ತಾಂತ್ರಿಕ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನಕ್ಕಾಗಿ ಹತ್ತಿರದ ಕೃಷಿ ವಿಜಾಫನ ಕೇಂದ್ರವನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬೇಕು.
- ಕೊಯ್ಲು ಹಂತಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುವ ತರಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಯಾವುದೇ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಮೊನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಬಾರದು. ಶ್ರೀಮಿನಾಶಕ ಅಂಶರಹಿತ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಮಾರುಕಟ್ಟಿಗೆ ಕಳುಹಿಸುವುದು ನಮ್ಮ ಧೈಯವಾಗಬೇಕು.

## **KHASI**

### **KI KYNDON NA KA BYNTA KI NONGREP BAD KI BYNTA JONG KA REP KA RIANG HA KANE KA POR BA KHANG NA KA DAW JONG U KHNIANG JINGPANG CORONA VIRUS (COVID-19)**

Ki jingbthah ba lah pynmih da ka sorkar India khnang ba ka rep ka riang bad kiwei kiwei ki jait kam ba iadei bad ka rep ka riang kin iaid beit ryngkat bad jingbud ia ki kyndon ban iada na u khniang.

#### **Ki kam hapoh ka rep ka riang kiba lait naka jing pakhang shnong**

- i. Ki Veterinary Hospital
- ii. Ki agency kiba thied ia ki tiar kiba donkam ha ka rep ka riang kaba kynthup lang ia ki ophis ba pyntrei ia ka MSP
- iii. Ki Mandis ne ki iew kiba die ia ki mar rep kum ki jhur, ki soh bad kiwei kiwei de kiba lah pyniaid da ka Agriculture Produce Market Committee ne kaba la ai jingbit ne jingbthah da ka sorkar Meghalaya
- iv. Ki jingtrei jong ki nongrep ha ki hali ne lynkha jong ki
- v. Ki jaka buh ia ki tiar kum ka power tiller, ki pump bad kiwei kiwei de kiba ki nongrep ki ju pyndonkam ha ka por ba ki rep
- vi. Ki jaka kiba shna bad kiba pynmih ia ki sboh dawai, ki dawai pyniap khniang bad ki symbai
- vii. Ka jingkit ia ki tiar ne machine na kawei ka jaka sha kawei pat hapoh ka jylla kiba pyndonkam ha ka por ot bad thung kum ka combined harvester bad kiwei kiwei de ki tiar kiba ju donkam ha ka por rep.
- viii. Ki dukan kiba de ia ki kor rep bad ka jaka shna ia ki.
- ix. Ki dukan chna kali ba don ha surok bah khamtam ia kiba don hajan petrol pump.
- x. ki kharkhana sla sha kynthup lang bad ki jaka rep sla sha ba don haduh 50% ki nongtrei.

\*ki kyndon naduh i haduh vii ki long katkum ka jingbthah jong ka ministry ka kam poh iing, Goi vide No. 40-3/2020-DM-I (A) tarik 24<sup>th</sup>, 25<sup>th</sup> bad 27<sup>th</sup> Lber, 2020 bad ki Clause 2,4,5 bad 6. bad ki kyndon viii haduh X katkum ka jingbthah lyngba ka 4th addendum jong ka Ministry ka koit ka khiah order no 40-3/2020-DM-1(A) tarik 24th lber 2020.

Ia kine ki kyndon kiba lah kdew haneng yn ym khang kum ha kane ka por, khnang ba ki nongrep jong ngi kinnym shem jingeh.

Kat kum ka jingbthah ka sorkar India , ki minister bad ki department bapher bapher jong ka jylla Meghalaya ki lah ioh jingtip ban pyntreikam ia kine ki kyndon ba lah kdew haneng bad ba ki kam baroh kiba ia snoh bad ka rep ka riang kin ym sangeh kum ha kane ka por.

## **Ka jingbthah na ka bynta ki nongrep**

### **Ka por ot ia ki jingthung**

Kum ha kane ka por ba khang na ka daw jong u khniang jingpang corona, don ki jingthung kiba lah dei ka por ban kheit ne ot. Ka jingkheit ne ot ia kum kine ki jingthung kaba kynthup ruh ia ka jingleit die sha ki iew ka long kaba eh namar ka rep ka riang ka iaid ryngkat bad ka por. Hynrei ki nongrep ki dei ban phikir bha khnang ba une u khniang un ym saphriang. Ki nongrep ki lah ban iada ialade na une u khniang da kaba ieng jngai iwei na iwei bad pyrshang bannym ialum lang ha kajuh ka jaka, ki dei ruh ban lehkhuid da kaba sait bha ia ki kti da ka sabon, deng mask, phong ki jain kiba lah ban iada na une u khniang bad da kaba sait khuid bha ia ki tiar kiba pyndonkam ha ka por rep. Baroh ki nongrep ki dei ban bud ia kine ki lad ban iaid na une u khniang jingpang bad pyrshang bannym ialum lang ha ka juh ka jaka bad ban ieng jngai iwei na iwei kumba shi metre (1m) eiei ha man la ki por.

- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u kew ha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India da kaba pyndonkam da ki machine kum ka combine harvester bad lah shah ban kit ia kine machine na kawei ka jylla shawei ka jylla. Dei ban phikir bha bad bud ia ki lad ban iada na kane ka jingpang khamtam ia kito ki briesh ki ba shna bad pyndonkam ia kine ki machine.
- Ka jingot ia u tyrso umphniang ka dang iaid hynrei ia ka jingshoh ia u ka dang sah teng ha ki jaka ba lah dep ot.
- Ka jingot ia u dai, u riewhadem bad u sohmynken ka dang iaid shaphrang bad ka lah jan dei ka por ban ot ia u shana.
- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u pai bad ka lah dei ka por thung sha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India.
- Baroh ki nong ot bad kiba lum ia ki mar rep, jhur, soh, pylleng bad dohkha ki dei ban bud ia ka jinglekhuid shimet bad ka jing jngai iwei na iwei ha ka por ba leh bad hadien ba dep ka ki kam na lyngkha.
- Ha ka por ba trei kam ha lyngkha, dei ban shna ki nur kiba jngai 4-5 phut bad ban trei iwei i briesh ha kawei ka nur. Kane kan pyntikna ban biang ka jingjngai iwei na iwei.
- Baroh ki dei ban deng ia ki mask bad ban thed ia ki kti bunsien.
- Pyntikna ban pynjngai iwei na iwei kumba 3-4 phut ha ka por shongthat, por bam bad por rah ki mar.
- Ia bynta ki kam ha lyngkha katba lah khnang ban pynduna ka jing bun briesh ha lyngkha.
- Pyntreia da ki brew ba ithuh lane ki briesh ba biang hadien ba lah dep kylli bniah ban kiar na ka jingrung ki briesh ki ba rah ia u khniang jingpang.
- Pyn donkam da ki tiar machine ha ki jaka ba lah. Tang ki briesh ba donkam kidei ban don hajan ka machine.
- Baroh ki machine ki dei shah pyn khuid ha baroh ki jaka rung bad man lah ka kato katne sngi. Baroh ki kali kit mar, borni bad kiwei kiwei ki tiar ba pyndonkam ban kit mar ki dei ban long kiba khuid.

**Ki mat ban phikir hadien ba lah dep kheit lane ot bad ha kaba die ia ki mar rep:**

- Haba thad, shoh lane dung, tai ne peh, pynkhuid, pynbynta lane pyniakhlad bad haba song ia ki mar rep ha ki lum ne ki jaka rep jong phi da kynmaw ban iada ialade da kaba sop bha khamtam ia ka khmut bad shyntur da kaba deng da ki *mask*. Kane kan pyllait na ka jingrung jong ki pui pui bad kiwei kiwei ki phngit kiba lah ban ktah ia ka rukom ring bad pynhiar mynsiem jong ngi ki briew.
- Dei ban thad rkhiang bha ia ki shyieng, u krai ne ki kynja dai shua bad kiar ia kaba buh ia ki ha ki byrni ne song ba lah ju pyndonkam khnang ban pynduna ia ka jinglyngshop jong ki khniang ne jingpang. Donkam ruh ban pynkhuid ia ki byrni ne pla song da kaba pyndonkam da ka dawai *neem* bal ah khleh lang bad ka um.
- Dei ban da phikir bha shua ban song ia ki mar rep ha ki byrni khamtam ia kito kiba donkam ban buh ha ki iing daithah (*cold storage*)/*kudam*.
- Dei ban bud pyrkhang ia ki jingbthah ha kaba iadei bad ka khuid ka suba ban iada na kino kino ki jait jingpang ha ka por ba kyntiew ne pynhap ia ki mar rep ha iew ha hat ne ha kano kano ka ryansan ia die ia thied.
- Uno uno u nongrep u don ka hok khlem kano kano ka jingpyrkhang da ka ain ha kaba iadei bad ka jingshalan ia ki symbai sha kino kino ki kompani, hynrei dei ban pynbiang ia ki kot ki sla ba pura na ka bynta kane. Dei ban husiar bad phikir bha ruh ha ka por ba pyndep ia ka jingsiew ia ki pisa ki pilain.
- Kam don ka jingkhang ia ka jingshalan ia ki symbai da ki jaka pynmih symbai (*seed processing/ packaging plants*). Kane kan iarap shibun ia ki nongrep ha kaba ki lah ban ioh ia u symbai ha ka aiom kaba biang bad dei por.
- Dei ban phikir bad bud pyrkhang ia ki jingbthah jong ki bor pyniaid ain ha kaba ia dei bad ka jingdie marmet ia ki mar rep kyrpang ia ki jhur kum u sohsaw, phul kubi, sla jyrngam, sokhia bad kiwei kiwei.

### **Ia ki Jingthung ba don ha lyngkha**

- Ka jing syaid ha ki jaka ba rep ia u kew ki dang kham duna ban ia kaba ju long mynshuwa, te ki nongrep ki lah ban ot ia u kew hadien 10-15 sngi palat ka 10 tarik u bnae Iaiong. Ki nongrep ki lah ban ot haduh ka 20 tarik u Iaiong ban lait na jing duhnong, bad kan ai por ban pynbeit ban pyn iad iew ia u mar.
- Ban lait naka jing julor ka jingpang thoh rew ha u kba, donkam ban husiar ha ka por synriet dawai.
- Lada ja ba ka slap ha ka por ot kba, synreit 5% ka um-mluh ban lait naka sbeh.
- Ia ki jhur lane soh ba dei por seisoh kum u soh pieng, ha ka por ba synreit dawai dei ban peit bniah por ba khleh dawai, ba ber bad pynpoi ia ki dawai bad kumjuh ruh ban sait bniah ia ki tiar ba pyndonkam.
- Ha ka por lyiur, ia ki kynja dai ha lyngkha, dei ban phikir bad bud ia ki kyndon ki ban iarap ban iada na u khniang skain lieh ba pynioh iaka jingpang thoh stem ha ki sla.

## കോവിഡ് - 19 ലോക്സാൻ പത്രാത്തലപത്തിൽ കർഷകരക്കും കാർഷികമേഖലക്കുമുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

നിർദ്ദേശികപ്പെട്ട മുൻകരുതലയുകൾ എടുത്തു കൊണ്ടു തന്ന കൃഷി അനുബന്ധ മേഖലകളിലെ പ്രധാനപ്പെട്ട പ്രവർത്തനങ്ങൾ തുടരുവാനായി കേന്ദ്ര സർക്കാർ മാർഗ്ഗ നിർദ്ദേശങ്ങൾ\* പുറപ്പെടുവിച്ചിരിക്കുന്നു. കർഷകരുടെ പ്രയോജനത്തിനായി അവ അവിടെ കൊടുത്തിരിക്കുന്നു.

### **ലോക്സാനിൽ നിന്നും ഒഴിവാക്കപ്പെട്ട കൃഷിയും അനുബന്ധ മേഖലകളും\***

- i) മൃഗാശൂപത്രികൾ
- ii) കാർഷിക ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ സംഭരണത്തിലും തറവില നിശ്ചയിക്കുന്നതിലും എർപ്പട്ടിരിക്കുന്ന ഏജൻസികൾ
- iii) സർക്കാർ അധിനത്യയിലുള്ള കാർഷിക ഉൽപ്പന്ന വിപണന കമ്മിറ്റിയുടെ നിയന്ത്രണത്തിലുള്ള കാർഷിക ചടക്കൾ
- iv) കർഷകരും കർഷകത്താഴിലാളികളും കൃഷിയിടത്തിൽ ചെയ്യുന്ന കൃഷിപ്പണികൾ
- v) കാർഷിക ഉപകരണങ്ങൾ വാടകയ്ക്ക് കൊടുക്കുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
- vi) വിത്ത്, വള്ളം, കീടനാശിനികൾ എന്നിവയുടെ ഉത്പാദനവും പാക്കേജിങ്ങും ചെയ്യുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
- vii) കൊയ്ത്തമെതിയന്തം പോലുള്ള വിളവെടുപ്പ്, നടിൽ അനുബന്ധ കാർഷിക ഉപകരണങ്ങളുടെയും യന്ത്രങ്ങളുടെയും കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും അവയുടെ ഉപയോഗവും
- viii) കാർഷികയന്ത്രങ്ങളുടെയും, യന്ത്ര ഭാഗങ്ങളുടെയും, അവ നന്നാക്കുകയും ചെയ്യുന്ന കടകൾ തുറന്നു പ്രവർത്തിക്കാവുന്നതാണ്.
- ix) ഹൈവേകളിലെ ട്രക്കുകൾ നന്നാക്കുവാനുള്ള കടകൾ, കഴിവതും അവ ഇന്ധനം നിറയ്ക്കുന്ന പദ്ധതികളോട് അനുബന്ധിച്ചുള്ളവയാണെങ്കിൽ കൂടുതൽ അഭികാര്യം
- x) അങ്ങേയറ്റം 50% തൊഴിലാളികളെ ഉൾപ്പെടുത്തിക്കൊണ്ട് തേയില വ്യവസായവും മറ്റു തൊട്ടങ്ങളിലെ ജോലികളും.

\* സുചികകൾ (i-vii) വരെ ആഭ്യന്തര വകുപ്പ് നിർദ്ദേശപ്രകാരം ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) തീയതി 24th, 25th and 27th മാർച്ച്, കൂടാതെ കൃഷി കർഷകക്ഷേമ മന്ത്രാലയം അപേക്ഷപ്രകാരം ഇന്ത്യാ ഗവൺമെന്റ് ഒഴിവാക്കിക്കൊണ്ടുള്ള ക്രോസ് 2,4,5 & 6; സുചികകൾ (viii-x) വരെ എക്കീകൃത മാനദണ്ഡങ്ങളോട് 4-ാം അനുബന്ധം 24.03.2020 തീയതിയിലെ MHA ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) (പ്രകാരം കൂടു ചേർക്കപ്പെട്ടതുമാണ്.

മെൽസുചിപ്പിച്ച പട്ടികയിലുള്ള സംവിധാനങ്ങൾ, കർഷകർക്ക് കാർഷികവ്യത്തിയിൽ വേണ്ട അവധ്യസാധനങ്ങൾ ലഭ്യമാകുന്നു എന്നും ഈ ലോക്സാൻ സമയത്ത് കർഷകർക്ക് യാതൊരുവിധ ബുഖിമുട്ടും ഉണ്ടാകരുത് എന്നും ഉറപ്പുവരുത്തുന്നു.

കേന്ദ്രസർക്കാർ പോളിസി നിർദ്ദേശപ്രകാരം സംസ്ഥാന സർക്കാരുടെ വിവിധ മിനിസ്ട്രി വകുപ്പുകൾക്ക് കാർഷിക മേഖലയിലെ ഇവിധ ജോലികൾ നടത്തി കൊണ്ടുപോകുവാൻ വേണ്ട നിർദ്ദേശങ്ങൾ നൽകിയിട്ടുണ്ട്.

## കർഷകർക്കായുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

### വിളവെടുപ്പും വിള പരിപാലനവും

കോവിഡ് വ്യാപനത്തിനിടയിൽ കാർഷിക വിളകളുടെ വിളവെടുപ്പ് സമയമടുത്തിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പും വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതും, അവ തക്കസമയത്ത് വിപണിയിലെത്തിരിക്കുന്നതും കാർഷിക മേഖലക്ക് സമയബന്ധിതമായി അനിവാര്യമാണ്. എന്നിരുന്നാലും കർഷകൾ രോഗവൃപ്പാപനത്തിന് എതിരെ സുരക്ഷിത മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്. സാമൂഹിക അകലം പാലിക്കുക, സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈകൾ കഴുകുക, മുഖാവരണം യരിക്കുക, സുരക്ഷാ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക എന്നി വ്യക്തി ശൂചിത്വം പാലിക്കേണ്ട മാർഗ്ഗങ്ങളും, കാർഷിക യന്ത്രങ്ങളും, ഉപകരണങ്ങളും മറ്റും വ്യത്യിയായി സുരക്ഷിക്കുക തുടങ്ങിയ ലളിതമായ മാർഗ്ഗങ്ങളും അവലംബിക്കേണ്ടതാണ്. അതുപോലെതന്നെ കാർഷിക തൊഴിലാളികളും സുരക്ഷിത മാർഗ്ഗങ്ങൾ സ്വീകരിക്കുകയും സാമൂഹിക അകലം പാലിച്ച് കാർഷികവ്യതിയിൽ എൻപ്പെടുകയും ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

\* കൊയ്തത്-മെതിയന്ത്രം ഉപയോഗിച്ചുള്ള ഗോത്രവു വിളവെടുപ്പ് വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ അടുത്തുവരുന്നുണ്ട്. സംസ്ഥാനത്തിനകത്തും പുറത്തുമുള്ള യന്ത്രങ്ങളുടെ കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും, അവയുടെ ഉപയോഗവും അനുവദിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു . യന്ത്രങ്ങളുടെ പ്രവർത്തനവും, നന്നാകലും - പരിപാലനവും നടത്തുന്ന തൊഴിലാളികളും എല്ലാവിധ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങളും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

\* കടുക് വിളവെടുപ്പും നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പ് കഴിഞ്ഞ സ്ഥലങ്ങളിൽ അവയുടെ മെതിക്കൽ പ്രക്രിയ നടത്തേണ്ടതുണ്ട്.

\* പയറുവർഗ്ഗവിളകൾ, ചോളം, പച്ചമുളക് എന്നിവയുടെ വിളവെടുപ്പും ആഗ്രഹമായിരിക്കുന്നു.

\* കരിന്ത് വിളവെടുപ്പ് ഇപ്പോൾ ഉച്ചസ്ഥായിയിൽ ആണ്. അതുപോലെതന്നെ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ കരിന്ത് നടേണ്ട സമയവുമാണ്.

\* വയൽ വിളകൾ, പഴം-പച്ചകരി, മുട്ട, മത്സ്യം എന്നിവ വിളവെടുക്കുമ്പോഴും, വിളവെടുപ്പിനു ശേഷവും, വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുമ്പോഴും വ്യക്തിശൂചിത്വ മാനദണ്ഡങ്ങളും സാമൂഹിക അകലവും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

\* തൊഴിലാളികൾ നേരിട്ടു നടത്തുന്ന വിളവെടുപ്പുപോലെയുള്ള കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ 4-5 അടി അകലത്തിൽ ഓരോ ആർക്കും ഓരോ വരി വെച്ച് നിയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ഇങ്ങനെ, ഓരോ കാർഷിക തൊഴിലാളിക്കുമിടയിൽ ആവശ്യത്തിനുള്ള അകലം ഉറപ്പാക്കാം.

\* കാർഷിക ജോലികളിൽ എൻപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എല്ലാവരും മുഖാവരണം ധരിക്കുകയും, ഇടവേളകളിൽ സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈ കഴുകുകയും ചെയ്യണം.

\* വിശ്രമിക്കുമ്പോഴും, ഭക്ഷണം കഴിക്കുമ്പോഴും, വിള കൈമാറ്റം ചെയ്യുമ്പോഴും, കയറ്റിരക്ക് നടത്തുമ്പോഴും 4-5 അടി എന്ന സുരക്ഷിത അകലം പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

- \* ഒരേ ദിവസം തന്നെ കൂടുതൽ ആർക്കാറെ നിയോഗിക്കാതിരിക്കുവാനായി ശ്രദ്ധിക്കുക.
- \* നല്ല അരോഗ്യം ഉള്ളവരെയും, രോഗവാഹകരല്ല എന്ന് ന്യായമായി ഉറപ്പുള്ളവരെയും മാത്രം കുഷിപണിക്കായി നിയോഗിക്കുക.
- \* സാധ്യമായിട്ടെത്തല്ലോ യന്ത്രവത്കരണം നടപ്പാക്കുക. യന്ത്രങ്ങൾ പ്രവർത്തിക്കാൻ വേണ്ടി അത്യാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള ആർക്കാറെ നിയോഗിക്കുക.
- \* എല്ലാ യന്ത്രങ്ങളും പ്രവർത്തനാരംഭത്തിലും, കുത്രമായ ഇടവേളകളിലും അണുവിമുകതമാക്കേണ്ടതാണ്. എല്ലാ ചരക്കു വാഹനങ്ങളും, ചാക്കുകൾ മുതലായ മറ്റു പാക്കേജിംഗ് സാമഗ്രികളും അണുവിമുകതമാക്കേണ്ടതാണ്.
- \* ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ ശേഖരം ചെറിയ കുനകളായി 3-4 അടി അകലംത്തിൽ ക്രമീകരിക്കേണ്ടതും, ഓരോ കുനയും കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതിനായി 1-2 ആർക്കാറെ മാത്രം ചുമതലപ്പെടുത്തിത്തിരകൾ ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്.
- \* ചോളം, നിലകടല എന്നി വയ്ക്കുള്ള മെതിയന്ത്രങ്ങൾ കർഷകരും, കർഷക ശൃംപുകളും സഹകരിച്ച് ഉപയോഗിക്കുമ്പോൾ, അവ വൃത്തിയാക്കിയതും, അണുവിമുകതമാക്കിയതുമാണെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തേണ്ടതാണ്. യന്ത്രഭാഗങ്ങൾ കൂടെക്കുടെ സോപ്പുപയോഗിച്ച് യോശ്ശം കഴുകേണ്ടതുമാണ്.

## കാർഷിക ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ വിളവെടുപ്പിനു ശേഷമുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളും സംഭരണവും, വിപണനവും

- \* കുഷിയിടത്തിൽ വച്ച് ഉൽപ്പന്നങ്ങൾ ഉണക്കി, മെതിച്ച്, പാറ്റി, ശുഡികരിച്ച്, തരം തിരിച്ച്, കെടുകളാക്കുന്ന സമയം, പൊടിയുംഭയും മറ്റു ഭാവക കണ്ണികകളുടെയും ഉപഭവം ഹേതുവായി ശ്വാസത്തെ ഉണ്ടാക്കാതിരിക്കുവാൻ മുഖ്യവാവരണം യരിക്കുക.
- \* സംഭരണത്തിനു മുമ്പായി, വിളവെടുത്ത ധാന്യങ്ങൾ, ചെറു ധാന്യങ്ങൾ, പയർ വർഗ്ഗങ്ങൾ എന്നിവ കുഷിയിടത്തിൽ / വീടിൽ വച്ചു തന്നെ നന്നായി ഉണ്ടെങ്കിലുണ്ടെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തുക. കീടശല്യം ഒഴിവാക്കുന്നതിനായി മുൻ മുമ്പ് ഉപയോഗിച്ച് ചണചാക്കുകൾ ഉപയോഗിക്കാതിരിക്കുക. 5% വീരുമുള്ള വേപ്പിൻസത്ത് ലായനിയിൽ മുക്കി ശുഡികരിച്ച്, ഉണക്കിയ ചണ ചാക്കുകൾ മാത്രം ഉപയോഗിക്കുക.
- \* കൂടുതൽ വില കിട്ടുന്നതിനായി ഉൽപ്പന്നം സ്വന്നം കുഷിസ്ഥലത്തോ അടുത്തുള്ള ശ്രീതികരണികളിലോ, ശേഖരണികളിലോ, വെയർഹൗസുകളിലോ സുക്ഷിക്കേണ്ടതായി വന്നാൽ, ആവശ്യത്തിന് ചണചാക്കുകൾ കർഷകർക്ക് ലഭ്യമാക്കുകയും, മറ്റ് മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടിയതുമാണ്.
- \* ഉൽപ്പന്നത്തിന് കയറ്റിക്കു സമയങ്ങളിലും, ഗതാഗതത്തിലും, വിൽപ്പനയിലും വേദത്തിലും പകുടുക്കുമ്പോഴും ആവശ്യത്തിനുള്ള വ്യക്തി സുരക്ഷിതരെ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

\* പിത്തുൽപാദനത്തിൽ എർപ്പട്ടിരിക്കുന്ന കർഷകർക്ക് അവരുടെ ഉൽപന്നം പിത്ത കമ്പനികളിലേക്ക് സാക്ഷ്യപ്പറ്റം സഹിതം എത്തിക്കുവൊൻ അനുമതി ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്. തുക സ്വീകരിക്കുവോഴും വേണ്ടിയ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

\* എപ്പിൽ മാസത്തിൽ വടക്കേ ഖൗണി സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ തീറ്പുത കൃഷിക്കുള്ള വിതരു സംഭരണവും, കയറ്റി അയയ്ക്കലും (ബക്ഷിശേന്ത്രയിൽ നിന്നും ഉത്തരേന്ത്രയിലേയ്ക്ക്) ഈ കാലയളവിൽ അനിവാര്യമാണ്.

\* കൃഷിയിടത്തിൽ നിന്നും തക്കാളി, കോളിജീവർ, ലൈവർഗ്ഗങ്ങൾ, വെള്ളരി പർഗ്ഗങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ ഉപഭോക്താക്കളിലേയ്ക്ക് നേരിട്ട് എത്തിക്കുവോൾ ആവശ്യമുള്ള സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

## നിലവിലുള്ള വയൽവിളകൾ

\* ഗ്രോതവ് വിളയിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ താപനില ഖപ്പോഴും അനുയോജ്യമായതിലും താഴെയാണ്. അതിനാൽ വിളവെടുപ്പ് എപ്പിൽ മാസം 10-ന് ശേഷം, ഉദ്ദേശം 10-15 ദിവസത്തേക്കാളും വെക്കാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. അയൽത്തിനാൽ, ഗ്രോതവ് കർഷകർക്ക് അധികം നഷ്ടമുണ്ടാക്കാതെതന്നെ എപ്പിൽ 20 വരെ വിളവെടുപ്പ് നീട്ടിവയ്ക്കാവുന്നതാണ്. ഈ സമയത്തിനുള്ളിൽ തീയതി നിശ്ചയിക്കുകയും ഗതാഗത സംവിധാനങ്ങൾ ഒരുക്കുകയും ചെയ്യാവുന്നതാണ്.

\* ഭക്ഷിശേന്ത്രി സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ നെല്ലിൽ ധാന്യം നിന്നും ഘട്ടത്തിൽ കരിച്ചിൽ രോഗം കാണപ്പെട്ടു വരുന്നു. കർഷകരോ, കരാർ അടിസ്ഥാനത്തിൽ തൊഴിലാളികളോ മരുന്നു തളിക്കുവോൾ ആവശ്യമുള്ള മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

\* നെല്ലിൻ വിളവെടുപ്പ് സമയങ്ങളിൽ ഒറ്റപ്പട്ട മഴയുടെ സാഹചര്യം ഉണ്ടായാൽ, നെല്ല് മുളയ്ക്കുന്നത് ശീവാക്കാനായി 5% ഉപ്പ് ലായനി തളിക്കുക.

\* മാവ് പോലുള്ള തോട്ടവിളകളിൽ ചെടികൾ ആവശ്യമായ മുലകങ്ങളും മറ്റു മരുന്നുകൾ കൂടുവോഴും, തളിക്കുവോഴും, ഉപകരണങ്ങൾ കഴുകി വയ്ക്കുവോഴും വേണ്ടുന്ന സുരക്ഷാ ക്രമീകരങ്ങൾ ചെയ്യണ്ടതാണ്.

\* നെൽകൃഷിക്കു ശേഷം തരിശു ഭൂമിയിൽ നടത്തുന്ന പയർ വർഗ്ഗക്കൃഷിയെ ബാധിക്കാവുന്ന വെറസ് നിയന്ത്രിക്കാൻ വെള്ളച്ചുകൾക്കെതിരെ മരുന്നു തളിക്കുവോൾ തൊഴിലാളികൾ എല്ലാ സുരക്ഷാ മുൻ കരുതലുകളും എടുത്തുവെന്ന് ഉറപ്പ് വരുത്തണം.

**COVID-19 Lockdown মতমসিদা লৌমীশিং অমসুং লৌট-শিংট তৌরিবশিংদা**  
**লৌট-শিংটবগী পাউতাক**

ভারত সরকারনা মৰু ওইবা লৌট-শিংট অমদি মসিগা মৱী লৈনবা থবক থৌরমশিংদা চেকশিন থৌৱাং  
কয়া লৌনবগীদমক অমদি লৌমীশিংগী কান্নবা চৰন-পথাপ / থবক থৌৱম কয়াসু মখাদা থন্নি।

**লৌট-শিংটবা অমদি মসিগা মান্নবা থবকশিং Lockdown না কোনশিল্পোইদবশিং**

- ১। শা-শনগী লায়েংশং।
- ২। লৌট-শিংটবগী পোঞ্চোক পুথোকদৌরিবা Agency শিং অমদি MSP Operations।
- ৩। মনা-মশিং যোনফম্ Agriculture Produce Market Committee না চলাইবা নত্রগা State Government না অয়াবা পীবা মফমশিং।
- ৪। লৌমী ইচিন-ইনাওশিংনা লৌবুক্তা লৌটশিংটবগী থবক থৌৱমশিং তৌৰা।
- ৫। Farm Machinery গী ৱাইথোক - ৱাইশিন তৌফমশিং।
- ৬। তিলহাক হিদাক, হার, মৱং - মৱং শাফমশিং - যোনফমশিং।
- ৭। লৌটশিংটবদা চংবা খৃঞ্জ - খুঁত্লাইশিং পুথোক পুশিন তৌৰা।
- ৮। এগ্রীকলচৰগী খৃঞ্জ খুঁত্লায় যোনবা অমদি শেনফমশিং হাংবীগদবনি।
- ৯। লৈবাক্তী লমজাও অচৌবদা লৈবা গাড়ী অচৌবা শেন্ফমশিং মৰু ওইনা পেত্রোল পম্প মনাক্তা  
লৈবা মফমশিং হাংবীগদবনি।
- ১০। চা বগান অমদি চা পুথোক্কিবা কৱখানাশিংদা শিল্পীশিং যান্নবদা চাদা ৫০দগী হেন্না থবক শুহনলোইদবনি।

পোইন্ট (১-৭) Ministry of Home Affairs ভারত সরকারগী ওৰ্দৰ 40-3/2020-DM-I (A) তাং ২৪, ২৫ অমদি  
২৭ মাৰ্চ ২০২০ মসিদা clauses ২, ৪, ৫ অমদি ৬তা হাপচিন্দুনা অমদি পোইন্ট (৮-১০) 4th Addendum to  
consolidated guidelines Annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24-3-2020.

মসিগী কোমথোকপসিনা লৌট-শিংটবা অমদি মসিগা মৱী লৈনবা থবকশিং পায়খৎপদা থিস্তহলোই অমসুং চঙদবা যাদ্রবা  
পোংলমশিং ফংহনবদা মতেং ওইবতা নত্ননা লৌমীশিংনা COVID-19 গী লোকদাউন মতমসিদা অৱাবা মায়োকুহলোই।

**লৌট-শিংট লৌমী ইচিন-ইনাওশিংদা পীবা পাউতাক :**

**মহী-মৱোং খাওবা অমদি বৈবা-**

নিংথমগী মহী-মৱোং খাওবা অমদি বৈবা মতমদা তঙাইফদনা পাইখৎপিগদবা COVID-19 শনদোকপা থীংবা  
চেকশিন থৌৱাংশিং। Social Distancing মীওই অমগা-অমগা লাপনা লৈনবা। শাপোনা খৃ-শা শেংনা  
হামদোকপীবা, Mask উপশিনবীগদবনি। Protective ফিরোন শেংপীবা, খৃঞ্জ - খুঁত্লাইশিং শেংনা চামথোকপিবা।

- অৱাং ভাৰতা গেছ খাওবগী মতম ওইশিল্লকলবনিনা Combine Harvester State মনুংদা অমদি State অমগা-অমগী চৎথোক-চৎশিন্ তৌবগী অয়াবা পীজৱে। Repair, Maintenance অমশং খাওবদা হকথেঞনা থবক শুৰীবশিংনা চেকশিন থৌৱাংশিং লৌখৎপীগদবনি।
- হংগাম অসি নিংথম ঘৈহে-মৱোংগী অনিশ্বা মৱ ওইবা মহী-মৱোংনি। খুংনা খাওবা মতমনি অমদি যৈনবশ যাওখৱে।
- মশুরি, চুজাক, মোৱোক হোজিক খাওনৱি, চনাশ কাওবা মতম ওইশিল্লকলে।
- চুশ খাওনৱি অমশং অৱাং ভাৰতদি চু খাওবগী মতম ওইশিল্লকলে।
- ইশাগী চেকশিনা লু-নানা Social Distancing হায়াবিবা থৌওং অসি ঘৈহে-মৱোং, মনা-মশিং খাওবীবিবা, য়েৱম য়োনবিৱিবা, লৌশিনবীবিবা, ঙা ফাবনাচিংবা মতমদা পাইখৎপিগদবনি।
- কৱিণুমবা খুংনা খাওবা যৈবা তৌবা মতমদা ৪-৫ ফীট লাপনা থবক শুবিগনি। মসিনা থবক শুবিৱিবাশিংদা লাপননা থবক শুবা গুমহনগনি।
- থবক শুবীবিবা খুদিংমকুা Mask উপশিনবীগদবনি অমশং মৱক-মৱকতা শাপোনা খুৎ-শা শেংনা হামদোকপীগনি।
- পোথাবা মতম, চাৰা-থকপা মতম, পোৎ হাপতোক-হাপচিন্ তৌবাম মতমদা তঙাইফদনা ৪-৫ ফীট লাপননা তৌবিগনি।
- তঙাইফদবা থবক থকতমক শুবিগনি অমশং মতম অমতদা মী যান্না থবক শুবীৱোইদবনি।
- থবক শুমিনুবা মতমদা লাপো-লাপো শুবিগদবনি অমদি মী পুনা-পুনা শুৱোইদবনি। শক খংনদবা মীগা পুনা থবক শুমিনুৱোইদবনি।
- য়াৱিবামষ্টৈ Machine শিজিল্লবীয়ু। তঙাই ফদবা মীতমক Machine শিজিল্লবীয়ু।
- চৎফমদা শিজিল্লবিবা Machine খুদিংমক হীদাক কাপথোকপিয়ু, মৱক-মৱকতশ অদুমমক হীদাক কাপথোকপিয়ু। গৱিশিং, বোৱানচিংবশ হীদাক কাপথোকপিয়ু।
- পোৎ-চৈ যান্না পৈশিনবীৱোইদবনি অমশং মণ্পে অমগা-অমগা ৩-৪ ফীটতগী তাদলা লাপথোকুা পৈশিনবীগনি অমদি লৌবুজ্জা থবক শুবদা মীওই ১-২ থকতমক শিজিল্লবীগনি।
- চুজাক লৈবাক স্বাই খাওবদা শিজিল্লবা Machine শিং শেংনা হীদাক কাপথোকপিগনি অমদি শাপোনা Machine শিং অদু চামথোকপীয়ু।

## পোৎ-চৈ লিবা অমদি য়োনথোক-য়োনশিন তৌবা :

- কংহনবা, যৈবা, হৰবা, চামথোকপা, খনদোকপা অমদি য়োমশিনবা মতমদা Mask শিজিল্লবীয়ু। মসি শিজিল্লবনা শ্বৰ হোনবদা নুংঙাইতবা থোকহল্লিবা উফুল অমদি ফৃতা-হাওদি অমদি হক্থি কনবদা যাওৱকপা মহীক-মতাইদগী ঙাকথোকপা গুমগনি।

- मरम-मरांशिं, ह्राइनचिंबा लिट्रिजैदा फजना कंहनवीगनि। हान्ना शिजिनन्खबा बोरा शिजिन्नरोइदबनि। निम महि चादा ५ गी मपासल लैबा ५% दा तिंथोकपा, निंथिजना कंहल्लगा बोराशिं शिजिन्नविगनि। पो३-चै लिबदा शिजिनगदबा बोराशिं मारां काइना Cold Storage/Godown, अमदि Warehouse ना चिंबा मनाक्ता फंहन्नबा होउनविगनि मसिना बोरागी मामन खंहनबदा मतें पांगनि।
- पो३-चै हापतोप-हापचिन् तौबा होनदोक-होनजिन् तौबा, योनबा मफमशिं, कैथेल, auction तोफमशिं personal safety measures लौखंपिगदबनि।
- मरम-मरां पुथोक्किबा लौमीशिंना मरम-मरांशिं Seed Company शिंदा पुथोक-पुशिन तौबगी अयाबा पीरि अमदि गैशा लौथोक-लौशिन तौबदा चेकशिन थोरां लौखंपिगनि।
- Seed Processing, Packing plants अमदि Transportation seed पुथोकलिबा State शिंदगी Seed थावीरिबा State शिं, South to North State शिंदा लाक्कीबा Kharif crop कीदमक फंहनगदबनि। खुदम ओइना SSG अशंबा शजिक असि लाक्कीबा April थादा थागदोरिबा असि अरां भारता खा भारतगी State शिंदगी लाक्कदोरिबनि।
- अशंबा मना-मशिं खुदम ओइना खामेन अशिनबा, कोबी लै, मोरोक, माना मशिं, थबी, खोंदुम माइरेन्नचिंबा, योनथोक-योनशिन, पीथोक-पीशिन तौबदा चेकशिनवीगनि।

### **महे-मरोঁ :**

- गेहू होरिबा मफमशिंदा अই-अশागी चাঁ खरा नेम्मा लैबना गेहू खाओबगी मतम याम्दबदा नुमিৎ १० निदगी १५ नि April १०गी मतुঁ फाओबा चोनथनबगी ओইথोकपा लै। मरम असिना लौमी इचिन-इनाओशिंना April २० फाओबदा गेहू खाओबदा थोइदोক्का चाथोक हনथहललोই अमदि लैथोक-लैशिन तौबगी मतम फजना फंगनि।
- था भारतगी निंथमगी फौ पामीशिं neck blast ना पाक-শহা अमां-অতা থোকহল্লি मरम असिना चान्नबा हীদাক मी नেক्कगा नक्कगा लौमी इচिन-इनाओशिंना कापथोकपीगनि।
- करिगुमा मतमदा मतम नक्का लौ लोकपा मतमदा नोঁ चুই। নোঁ চুরক্কবদি থুম ५% महि कापथोकपीয় मसिना फौ मयोল् चोঁলকপদগী ঙাকথোকपा ওমগনি।
- Horticultural Crops मरम ओइना हैनो पाल्कपा मतमदा हार कापथोकपीबा, हीदाक चाइथोकपीबा अमदि यानथोक-यानशिन् खुঁশ-খুঁলाइ चामथोकपा मतमदा मतां-मतम् चाना चेकशिन थोरां लौकংপीगनि।
- कालेनगी ह्राइ पामीशिं, फौगा लोइनना थाबिरिबाशिं Yellow mosaic virus तগी ङাকथোকুবা White fly शिं ङাকথোকুবগीदमক चेक्शिन थोরां पাইখংপিগনি।

*Translated by*

**Dr. R.K. Imotomba Singh**

**Sr. Scientist & Head**

Krishi Vigyan Kendra, Bishnupur district, Manipur

### कोविड-१९ च्या पाश्वरभूमीवर लॉकडाऊन कालावधी दरम्यान शेतकरी आणि शेती क्षेत्रासाठी कृषी सल्ला

शेती व त्यासंबंधित महत्वाच्या क्षेत्राची कामे विहित सावधगिरीसह सुरु राहावीत यासाठी भारत सरकारने काही मार्गदर्शक तत्वे\* निश्चित केली आहेत. सदरील मार्गदर्शक तत्वे शेतकऱ्यांच्या हितासाठी येथे सारांशरूपात सूचीबद्ध केली आहेत.

#### **लॉकडाऊनच्या कालावधीत सुट दिलेली शेतीविषयक आणि शेतीसंलग्न कामे**

१. पशुवैद्यकीय रुग्णालये
२. कृषी उत्पादनांच्या खरेदीशी संबंधीत संस्था
३. राज्य शासनाने अधिसूचित केल्याप्रमाणे कृषी उत्पन्न बाजार समितीद्वारे संचालित 'मंडी'
४. शेतकरी व शेतमजुरांमार्फत करण्यात येणारी शेतीची कामे
५. शेतीच्या कामाशी संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी)
६. खते, कीटकनाशके व बियाण्याचे उत्पादन व पॅकेजिंग युनिट
७. कंबाइन हार्वेस्टर आणि इतर शेती / बागायती उपकरणे यासारख्या कापणी आणि पेरणी संबंधित मशीन्सची राज्यांतर्गत आणि राज्याबाहेरील ने-आण
८. कृषी यंत्रांची दुकाने, त्याचे सुटे भाग (त्यातील पुरवठा साखळीसह) आणि दुरुस्तीची दुकाने
९. महामार्गावरील ट्रक दुरुस्तीची दुकाने विशेषत: इंधन पंपावरील
१०. चहा उद्योग लागवडीसह व जास्तीत जास्त ५० % कामगारासह

या सवलतींमुळे शेती व शेतीशी संबंधित कामे सुलभ होतील जेणेकरून आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणतीही अडचण येणार नाही. लॉकडाऊन दरम्यान अंमलबजावणीसाठी संबंधित मंत्रालये/ राज्य शासन विभाग आणि केंद्रशासित प्रदेशांना आवश्यक दिशा निर्देश जारी केले आहेत.

\*मुददा क्र. (१ ते ७) गृह मंत्रालय, भारत सरकारच्या पत्र नं.-४०/०३/२०२०-डीएम-आय (ए) दि. २४, २५ आणि २७ मार्च २०२०, अपवादांमधील कलम २, ४, ५ आणि ६ मधील सुधारणा; आणि मुददा क्र. (८ ते १०) एमएचए आदेश क्र. ४०-३/२०२०-डीएम (ए) दि. २४.०३.२०२० ला सहपत्रीत केलेल्या एकत्रित मार्गदर्शक तत्वांच्या ४ थ्या परिशिष्टानुसार.

या सवलतींमुळे शेती आणि शेतीशी निगडित निर्बंधित उपक्रम सुरु राहण्यास मदत होईल ज्यामुळे आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा सुनिश्चित होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणत्याही अडचणींना सामोरे जावे लागणार नाही.

भारत सरकारच्या धोरणात्मक निर्देशांच्या आधारे, राज्य सरकारच्या विविध मंत्रालये /विभागांनी कृषी आणि संबंधित क्षेत्राशी संबंधित उपक्रम सुरु ठेवण्यासाठी, सुलभतेसाठी अंमलबजावणी मार्गदर्शक तत्वे जारी केली आहेत.

## शेतकऱ्यांसाठी सल्ला

### अ. पिकांची काढणी व मळणी :

- कोविड-१९ च्या पाश्वरभूमीवर, सद्य परिस्थितिमधे रब्बी पिके पक्वता कालावधीमधे आहेत. सर्व शेतीची कामे वेळेवर झाली आहेत त्यामुळे काढणी व हाताळणी तसेच बाजारपेठेत माल पाठवणे अपरिहार्य आहे. तथापि, सदरील रोगाचा प्रसार रोखण्यासाठी खबरदारी आणि सुरक्षा उपायांचे पालन केले पाहिजे. साध्या उपायांमध्ये सामाजिक अंतर ठेवणे, साबणाने हात धुवून वैयक्तिक स्वच्छता राखणे, मास्क परिधान करणे, संरक्षक कपडे आणि उपकरणे व यंत्रसामग्री साफ करणे समाविष्ट आहे. शेतीच्या संपूर्ण कामात प्रत्येक ठिकाणी सुरक्षा उपाय आणि सामाजिक अंतरांचे अनुकरण करावे.
- विविध राज्यांमध्ये गहू कापणीचे काम चालु आहे त्यामुळे हार्वेस्टरला जिल्ह्याअन्तर्गत व जिल्ह्याबाहेर जाण्यासाठी परवानगी देण्यात आली आहे. दुरुस्ती, देखभाल आणि कापणीच्या कामात गुंतलेल्या कामगारांची खबरदारी व सुरक्षितता सुनिश्चित करणे आवश्यक आहे.
- रब्बी हंगमातील मोहरी हे दुसरे महत्वाचे पीक आहे. या पिकाची काढणी अंतिम टप्प्यात असून जिथे जिथे आधीच कापणी झाली आहे तेथे मळणी केली जात आहे. मसूर, मका आणि मिरचीची काढणी सुरु असून हरभरा पिकाची काढणी जवळ येत आहे.
- ऊस तोडणी चालु असून उत्तर भागात लागवडीची वेळ जवळ आली आहे
- शेतातील कामापुर्वी आणि कामे झल्यानंतर पिके, फळे, भाज्या तसेच अंडी आणि मासे या कामात गुंतलेल्या सर्व शेतकरी तसेच कामगार या सर्वांनी वैयक्तिक स्वच्छता आणि सामाजिक अंतर ठेवण्याचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- शेतमाल कापणी किंवा तोडणीचे काम करत असतांना एका कामगाराला ४ ते ७ फुटाचा पट्टा वाटून दिल्यास काम पण योग्य होईल आणि योग्य सामाजिक अंतरही ठेवले जाईल.
- शेतकऱ्यांनी आराम करण्याच्या वेळेस, जेवण करताना तसेच मालाची ने-आण करताना शेतमाल गाडीत भरताना व उत्तरवताना किमान एकमेकांपासून तीन ते चार फुटाचे अंतर राखणे आवश्यक आहे.
- शक्यतो एकाच ठिकाणी गर्दी न करता शेतीमधील वेगवेगळी कामे कमीत कमी मजुरांमार्फत करणे आवश्यक आहे, त्यासाठी शक्यतो घरातील माणसांच्या मार्फतच शेतीकामे करावीत ज्यामुळे बाहेरील विषाणूचा प्रादुर्भाव कमी होण्यास मदत होईल.
- शेतीकामे शक्यतो मशिनच्या साह्याने करावीत, त्यामध्ये कमीत कमी मनुष्यबळाचा वापर करावा तसेच शेती कामासाठी वापरली जाणारी अवजारे, गोणी तसेच पॅकिंगच्या गोष्टी ह्या सुद्धा निर्जतुकीकरण कराव्यात
- शेतमालाचे ढीग करण्यासाठी दोन ढिगामधील अंतर तीन ते चार फूट ठेवणे आवश्यक आहे त्यासाठी शक्यतो एक किंवा दोन कामगारच वापरावेत. मका आणि भुईमूग या पिकांच्या मळणीसाठी वापरले जाणाऱ्या यंत्रांचे निर्जतुकीकरण करावे कारण ही यंत्रे शेतकरी वेगवेगळ्या गटांमध्ये वापरत असतात.

## **ब. शेतमालाचे काढणीपश्चात साठवणूक व विपणन व्यवस्थाच्या दरम्यान करावयाच्या उपाययोजना**

- शेतकऱ्यांनी मालाची वाळवणी, मळणी, धान्य साफ करणे, प्रतवारी करणे इत्यादी कामे ही शेतावरच करणे आवश्यक असते. यासाठी शेतकऱ्यांनी तोंडावर मास्क वापरावा जेणेकरून धूळ तोंडावाटे आत जाणार नाही.
- अन्नधान्ये, कडधान्ये हे काढणीनंतर योग्य वेळेस सुकवावे. साठवणूक करताना किडींचा प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी अगोदर वापरलेल्या गोण्या वापरू नयेत यासाठी साठवणूकीच्या गोण्यांचे पाच टक्के निंबोळी अर्कात भिजू घालून निर्जतुकीकरण करावे. शेतमालाची चांगली किंमत येण्यासाठी आवश्यकतेप्रमाणे यांचा वापर करावा.
- शेतकऱ्यांनी शेतमाल गाडीमध्ये भरताना तसेच उत्तरावतांना, बाजारपेठेमध्ये नेतांना व लिलाव करते वेळेस पुरेसे वैयक्तिक सुरक्षिततेचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- बियाणे उत्पादक शेतकऱ्यांना तयार झालेले बियाणे कंपनीकडे पाठवण्यासाठी परवानगी देण्यात आलेली आहे. यासाठी विकलेल्या बियाण्याचे पैसे घेते वेळी आवश्यक ती काळजी घेणे महत्त्वाचे आहे. तसेच बियाणे वाहतूक करतांना आवश्यक कागदपत्रे बरोबर बाळगणे बंधनकारक आहे.
- येत्या खरीप हंगामाच्या दृष्टिकोनातून बियाणे उत्पादक कंपन्या पॅकेजिंग विभाग यांना सदरील बियाणे हे एका राज्यातून दुसऱ्या राज्यांमध्ये पाठवण्यासाठी मुभा देण्यात आलेली आहे, जेणेकरून येणारा खरीप हंगाम हा सुरक्षीत होईल.
- टोमॅटो, कोबी, फलांवर, काकडी, पालेभाज्या व इतर भाजीपाला बाजारपेठेमध्ये पाठवताना शेतकऱ्यांनी वैयक्तिक सुरक्षिततेचे उपाय करणे गरजेचे आहे.

## **क. शेतात उऱ्या असलेल्या पिकांबाबत करावयाच्या उपाययोजना**

- गृह पिकविणाऱ्या बहुतांश भागांतील तापमान अद्यापही सरासरीपेक्षा कमी असून त्यामुळे गृह कापणीस दहा ते पंधरा दिवस उशीर होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे शेतकरी कोणतीही नुकसान न होता २० एप्रिल पर्यंत गव्हाची काढणी करू शकतात, तसेच काढणीस उशीर जरी झाला तरी शेतकऱ्यांना विक्री संदर्भात आवश्यक ती उपाय योजना करणे शक्य आहे.
- फळपिकांमध्ये विशेषत: आंब्यामध्ये फळधारणा होत असून यासाठी आवश्यक त्या फवारण्या व पीक संरक्षणाच्या संदर्भात शेतीची कामे करत असताना उपकरणे हाताळतांना सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे
- भात पिकानंतर घेतल्या जाणाऱ्या उन्हाळी कडधान्य पिकांमध्ये पांढऱ्या माशीचे नियंत्रण करणे महत्त्वाचे असून यासाठी वैयक्तिक पातळीवर संरक्षित उपाय योजना कराव्यात जेणेकरून विषाणूंचा प्रादुर्भाव रोखता येईल.

**Covid-19 vanga inkharkhip laia loneitu leh a kaihnawihe ina an zawm tur**

Government of India in Agriculture leh a kaihhnawih a harsatna a awm loh nan leh kuthnathawktuten hna tluang taka an thawh chhunzawm zel theih nan inkaihruaina dan a siam a, chungte chu a hnuia mi te hi an ni

**Inkharkhip na in a ahuam ve loh te:**

- 1) Ran enkawlna hmun ( Veterinary Hospital)
- 2) Loneitute leh an thar chhuah lakhawmtute leh enkawltute
- 3) Nitin eichawp leh thlai thar zawrhna hmun sawkar in phalna a pek te
- 4) Loneitute leh an hnathawkte
- 5) Custom Hiring Centre loneitute tan a siam
- 6) Leitha, Hlo tur leh thlai chi siamna hmun leh pek chhuahna hmun
- 7) Loneihna hmuna khawl tangkai ( eg tractor etc) state chhung leh pawn a kal thin te
- 8) Agriculture kaihnawih khawl chi hrang hrang leh a part zawrhna dawr leh a siamthatna dawr te pawh in hawn tur a ni.
- 9) Zin kawnga ni tin mamawh bungraw phur truck te a lo chhiat palhin a siamna hmun a awm tur a ni. Duhthusam ah chuan Petrol pump bul hnai ah.
- 10) Thingpui huan leh sawngbawlna hmunah hnathawktu 50% an awm thei/thawk thei.

\*points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24<sup>th</sup>, 25<sup>th</sup> and 27<sup>th</sup> March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4<sup>th</sup> addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.

He inkharkhip hun chhung a Agriculture leh a kaihhnawih a kuthnathawktuten harsatna an tawh loh nan hriat tur pawimawh an siam a ni.

Heng dan Government of India in a a rawn siam zulzui hian , Ministry leh State Department te chuan loneitu te leh a kaihhnawih kawng a hnathawktu ten an hna tha tak a an thawh chhunzawm theih nan kaihruai nate a siam a.Chungte chu:-

**Loneitu te tan a Thurawn**

**Thlaithar**

Covid-19 darh zau zel boruak kar ah hian, thlasik thlai te chuan puitling lam an rawn pan zel a.Thlai thar leh sawngbawl te hi loh theih loh a ,a hun chhung a tih ngei ngei ngai an nih avangin , hemi lam ah leh a hrall chhuah na kawng ah loneituten fimkhur tak leh

uluk tak in he natna ti darh lo zawng in hma an la tur ani. Fimkhur dan then khat te chu , mihring in hlat a awm , kut fai tak a sil , hmaituam that , thawmhaw fai leh loneihna hmanrua fai tak a sil . Hna thawk tute pawn huan a an hna thawh na ah in hnaih lo a hna thawh hram tum tur ani.

- Hmar lam State ah chuan wheat thar alo hun leh ta a, wheat sengna khawl (Combine Harvester) hman leh State hrang hrang ah veivah leh in kal pawh theih a ni. Hemi kawng a hna thawk tute, leh khawl siam tha tute an fimkhur ani tih enfiah tur ani.
- Tel antam hi thlasik thlai pawimawh tak ani a , tun ah hian thar mek ani a, chuvangin a her na khawl a her tir hi phal ani.
- Chhim lam ah chuan fu chu nasa tak a her chhuah ani tawh a , chin leh hun ani tawh.
- Thlai ching tute leh thei huan nei tute leh ran enkawl tu ten , an hna an tan hma leh thawh laite, thawh zawh tawh hnuah te, mahni in tihfai leh inkar hlat a awm an ngai pawimawh tur ani.
- Thlai thar na hmun ah mipakhat aia tam in hna an thawh chuan , 4 - 5 feet a in hlat a hna thawh theih a tha.
- Hnathawk tu ten hmai an tuam ang a, a khat tawkin kut an sil fai bawk tur ani.
- Thlaithar lakkhawm leh semchhuah leh chhun chaw fak hun ah te 3-4 feet a in hlat a awm tum tur ani.
- Thlai chi thlakin a theih hram chuan sir sawn a, a chi thlak tur leh mi a tam lo thei ang ber nikhat a thawh tur.
- Mi hriatchian chauh mahni huan a thawk tur a rawih tur
- Khawl hman theihna hmun ah chuan hman tum hram a , khawl Khawihtu tur bik chauh lo chu kal phal loh tur.
- Khawl reng reng huan a luh hma in damdawia tih thianghlim a a khat tawk a tihfai leh bawk tur ani, thlai thar phur tu tur motor te leh a phurhna ip leh a dang te pawh damdawia tih thianghlim hmasak phawt tur.
- Thlai thar te pawh hmun khat a chhep khawm teuh lo in tlem te te a 3 - 4 feet a in hlat a chhek khawm tur ani, heng ti tur hian mi 1-2 aia tam lo in chheh khat hi an buaipui tur ani.

- Vaimim leh badam herna khawl , loneitu ten an in hman tawm anih chuan , fai takin an vawng tur ani a , khawl Kuta an khawih lai bik te phei chu sahbawn nen uluk takin an silfai zel tur ani.

### **Thlai thar dahthat leh hrалh chhuah chungchang**

- Thlai phoro, tihfai , thliarhran leh fun hran lai a, hmaituam hian boruak thalo leh khu lak ah te a veng in thawk harsatna lam awm thei lakah te a veng thei.
- Be lam chi thlai te ro tha tak a pho a , kum hmasa lam a a dahna ip te hman nawn loh tur . 5% neem tui a chiah ip phoro hman tur ani.
- Thai thar te a phurh chhuahna ah leh a hrалh na ah fimkhur thei ang bera kalpui tur.
- Thlai chi hrалh chhuaktu ten an hrалh chhuah na ah lehkha pawihmawh an neih chuan phurh chhuah phal sak an ni a , a man an dawnna ah an fimkhur tur a ni.
- Thlai chi siam chhuak tu ten thlai chi duh te hnena a, ahun dik tak a an pek chhuah theih hi a pawimawh ani.
- Tomato, zikhlum, parbawr leh thlai hnah hring ang chi te hrалhchhuah kawng ah fimkhur tak a tih tur ani

### **Thlai dinglai enkawl dan**

1. Wheat chingtute tan a seng hun a la tlaichhe lova, chhiatna lutuk awm lovin ruahmanna felfai tak siam chungin April ni 20 thleng pawh hian a la seng theih a ni.
2. Chhimlam state a thlasik buh chingtute tan tun ang hun hi buh natna chi khat (Neck blast) tam hun lai ani a, he buh natna venna atana damdawi (Fungicide) kah lai hian uluk leh fimkhur a ngai hle a ni.
3. Buh seng hun laia ruahui a tlak hun loh laia a tlak chuan, buh chi a tiah loh nan Chi tui (Salt Solution) 5% a kah tur a ni.
4. Horticulture thlai thenkhat entir nan Theihai rah hunlai angah te hian chawtha pek leh thlai ven dawnin fimkhur a ngai in hmanrua kan hman te pawh fai taka sil thin tur a ni.
5. Nipui laia Be lam chi kan chin in virus natna thehdarhtu rannung chikhat (Whitefly) in harsatna a thlen loh nan fimkhur tur a ni.

**Issued for Public Interest by**

**Agriculture Technology Application Research Institute (ATARI)**

**Indian Council of Agricultural Research (ICAR)**  
**Umiam, Barapani**

*Translated for circulation by*  
**Krishi Vigyan Kendra**  
**Kolasib District**  
**Mizoram**

କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣ (COVID-19) ହେତୁ ତାଲାବଦୀ ଅବସ୍ଥାରେ କୃଷକ, କୃଷି ଓ  
ଆନୁଷଳିକ ଷେତ୍ର ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ

ଭାରତ ସରକାର ଜାରିକରିଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ\* ଯାହା ଦ୍ୱାରା ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସର୍କରୀ ଏବଂ ଆନୁଷଳିକ ଷେତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକଲାପ ଜାରି ରହିବା କୃଷକଙ୍କ ସୁବିଧା ପାଇଁ,  
ଏଗୁଡ଼ିକର ତାଲିକା ଏଠାରେ ପ୍ରଦତ୍ତ କରାଗଲା ।

ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଜାରି କରାଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ

ଏହି ତାଲାବଦରୁ ବାଦ ପଡ଼ିଥିବା ବା ପ୍ରଭାବିତ ହେଉନଥିବା ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଓ ଆନୁଷଳିକ  
କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଗୁଡ଼ିକ ନିମ୍ନରେ ପ୍ରଦାନ କରାଗଲା

(କ) ପ୍ରାଣୀ ଚିକିତ୍ସା କେନ୍ଦ୍ର

(ଖ) କୃଷି ଦ୍ରବ୍ୟର ସର୍ବନିମ୍ନ ସହାୟକ ମୂଲ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଅନୁଯାଇ ବିପଣନ ସହ ଜଡ଼ିତ ଥିବା  
ସଂଖ୍ୟା

(ଗ) କୃଷିଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟ ବିପଣନ କମିଟି କିମ୍ବା ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସୁଚିତ୍ର 'ମଣ୍ଡି'

(ଘ) କୃଷକ ଓ କୃଷି ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ

(ଡ) କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତି ଗୁଡ଼ିକୁ ଉଡ଼ା ସୁତ୍ରରେ ଦେଉଥିବା ସଂଖ୍ୟା

(ଇ) ରାସାୟନିକ ସାର, କୀଟନାଶକ ଓ ବିହନ ଉପାଦନ ଏବଂ ଏହାର ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରୁଥିବା  
ସଂଖ୍ୟା

(ଈ) କୃଷି ଓ ଉଦ୍ୟାନ କୃଷିରେ ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତ୍ରପାତି ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଏବଂ ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ  
ମଧ୍ୟରେ ଗମନା ଗମନ

(ଜ) କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତି, ଏହାର ଅତିରିକ୍ତ ଯନ୍ତ୍ରାଂଶ୍ବ (ଏହାର ଯୋଗାଣ ଶୃଙ୍ଖଳା ଅନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତ କରି)  
ଏବଂ ମରାମତି ଦୋକାନ ଖୋଲା ରହିବ ।

(ଘ) ରାଜପଥରେ ତ୍ରିକ ମରାମତି ପାଇଁ ଥିବା ଦୋକାନଗୁଡ଼ିକ ବିଶେଷତ ପେଟ୍ରୋଲ ପମ୍ପରେ  
ଖୋଲା ରହିବ ।

(ଓ) ବୃକ୍ଷରୋପଣ ସହିତ ତା' ଶିଳ୍ପରେ ସର୍ବାଧିକ ଶତକତା ୪୦ ଭାଗ ଶ୍ରମିକର ବ୍ୟବହାର  
ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଗୃହ ମନ୍ତ୍ରାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (କ ରୁ ଓ), ଅର୍ତ୍ତର  
ନମ୍ବର ୪୦-୩/୨୦୨୦-ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪, ୨୫ ଏବଂ ୨୬ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ  
ଧାରା ୨, ୪, ୫ ଏବଂ ୭ ବ୍ୟତିରକେ; ଏବଂ ଏମ ଏତ ଏ ଅର୍ତ୍ତର ନମ୍ବର ୪୦-୩/୨୦୨୦-  
ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪.୦୩. ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ ସଂୟୁକ୍ତ ହୋଇଥିବା ୪ର୍ଥ ଯୋଗପତ୍ର  
ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (କ ରୁ ଓ)ର ଏକାଭୂତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ।

ଏହି ଛାଡ଼ଗୁଡ଼ିକ କୃଷି ଏବଂ କୃଷି ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ସହ ଜଡ଼ିତ ବାଧାପ୍ରାୟ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପକୁ ସହଜ  
କରିବ ଯାହା ଦ୍ୱାରା ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀ ଏବଂ କୃଷକମାନେ ତାଲାବଦ୍ର ସମୟରେ କୌଣସି  
ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମାନ ହେବେ ନାହିଁ ।

ତାଲା ବଦ୍ର ସମୟରେ କୃଷି ଓ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯେପରି ବାଧା ନଆସିବ ଏବଂ କୃଷକ  
ମାନେ ଯେପରି ସେମାନଙ୍କର ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ଜିନିଷ ପାଇବାରେ କୌଣସି ଅସୁବିଧାର  
ସମ୍ମାନ ନ ହୁଅଛି, ସେଥିପାଇଁ ଉପରୋକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ଗୁଡ଼ିକର ପାଳନ କରିବା ନିମନ୍ତେ  
ସମସ୍ତ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ / ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଅବଗତି ପାଇଁ ପ୍ରେରଣା କରାଯାଇଛି ।

### କୃଷକ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ

### ଫେଲର ଅମଳ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ପରାମର୍ଶ

କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣରେ ସାରା ଦେଶ କବଳିତ ଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ରବି ଫେଲ ଧୀରେ  
ଧୀରେ ଅମଳକ୍ଷମ ହେବାରେ ଲାଗିଛି । ଏଣୁ ଅଛି ଦିନରେ ଏହାର ଅମଳ ଓ ବିପଣନ ପାଇଁ  
ପରିବହନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଜରୁରୀ ହୋଇ ପଡ଼ିବ । ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷାରେ କୃଷକ ମାନଙ୍କ ସୁଚିତ

କରିଦିଆୟାଉଛି କି, ଏହି ସମୟରେ ସେମାନେ ଏହି ଭୁତାଣୁ ଜନିତ ରୋଗରୁ ନିଜକୁ ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ସାବଧାନତା ଓ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବେ । ସାଧାରଣ ସତର୍କତା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅନୁଯାଇ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରକ୍ଷା କରିବା ତଥା ଶରୀର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତାର ବିଭିନ୍ନ ଉପାୟ ଯେମିତିକି, ବାରମ୍ବାର ସାବୁନ ଦ୍ୱାରା ହାତ ଧୋଇବା, ମୁହଁରେ ମାସ୍କ ପିନ୍ଧିବା, ସୁରକ୍ଷିତ ବସ୍ତ୍ର ପରିଧାନ କରିବା ଏବଂ ସର୍ବୋପରି ଯନ୍ତ୍ରପାତି ଓ ଉପକରଣ ଗୁଡ଼ିକ ବିଶୋଧନ କରି ରଖିବା ପ୍ରଭୃତିକୁ ଶୁରୁତର ଭାବେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ପାଇଁ ଉଚିତ । କୃଷିଜୀବୀ ଶ୍ରମିକ ମାନଙ୍କୁ ସୁଚେଳ ଦିଆୟାଉଛି କି ଉପରୋକ୍ତ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ ସମୟରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ସୋପାନରେ ସେମାନେ ସାମାଜିକ ଦୂରଭକ୍ଷ ବଜାୟ ରଖି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବେ ।

ଉତ୍ତର ଭାରତର ଅନେକ ରାଜ୍ୟରେ ଯାନ୍ତ୍ରିକ ଉପାୟରେ ଗହମ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଗଲାଣି । ଉପ୍ରାଦିତ ଗହମକୁ ମାଲବାହୀ ଗାଢି ମାଧ୍ୟମରେ ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ଓ ଅନ୍ୟ ରାଜ୍ୟକୁ ଅନାଈସରେ ପରିବହନ କରାଯାଇ ପାରିବ । ଏହି ସମୟରେ ଯନ୍ତ୍ର ଗୁଡ଼ିକର ମରାମତି, ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣା ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିଯୋଜିତ ସମସ୍ତ କୁଶଳୀ ଶ୍ରମିକ ମାନେ କୋରୋନା ରୋଗ ସଂକ୍ରମିତ ନହେବା ପାଇଁ ସବୁ ପ୍ରକାର ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଗ୍ରହଣ କରିବା ପାଇଁ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି

ଦେଶର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୁଖ୍ୟ ରବି ଫଂସଲ ହେଉଛି ସୋରିଷ । ଏହାର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ନହୁଏ

ମସୁର ଡାଲି , ମକା ଓ ଲଙ୍କା ଫଂସଲର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଚାଲୁ ରହିଛି ଏବଂ ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫଂସଲର ଅମଳ ଆସନ୍ତ ପ୍ରାୟ ଏଣୁ ଏହି ଫଂସଲ ଗୁଡ଼ିକର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ସୁରଖ୍ୟରେ ଚାଲୁରହିବ ସେଥିପାଇଁ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବା ଉଚିତ ।

ଆଖୁ ଉପ୍ରାଦନ ଚାଲୁ ରହିଥିବାବେଳେ କେତେକ ଶ୍ଵାନରେ ଏହାର ଚାରା ରୋପଣ କାର୍ଯ୍ୟ ମଧ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଗଲାଣି ।

ଯେଉଁ କୃଷି ଶ୍ରମିକ ମାନେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଫସଲ, ମାଛ, ଅଣ୍ଟା ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ଉପାଦନ ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିଯୋଜିତ ଅଛନ୍ତି, ସେମାନେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ସମୟରେ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ଶରୀରର ପରିଛଳନତା ଓ ସାମାଜିକ ଦୂରତ୍ବ ବଜାୟ ରଖିବା ବିଧେୟ ଅଟେ ।

ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଫସଲ କାଟିବା ସମୟରେ ୪ ରୁ ୪ ଫୁଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ପଚାଳୀ କରି ପ୍ରତି ପଚାଳୀରେ ଜଣେ ଲେଖାଏଁ ଶ୍ରମିକ ରହିବେ ଯେମିତିକି ଉଚିତ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରହିପାରିବ ।

ସମସ୍ତ ନିଯୋଜିତ ଶ୍ରମିକ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ମାଞ୍ଚ ପିଣ୍ଡିବା ସହ ନିୟମିତ ଅନ୍ତରାଳରେ ସାବୁନରେ ଭଲଭାବେ ହାତ ଧୋଇବା ଉଚିତ ।

ଶ୍ରମିକମାନେ ବିଶ୍ରାମ ନେବା ସମୟରେ, ଖାଦ୍ୟ ଖାଇବା ସମୟରେ, କୃଷିଜାତ ଦ୍ରୁବ୍ୟ ମୁଣ୍ଡରେ ପରିବହନ କରିବା ସମୟରେ, ଗାଡ଼ିରେ ମାଲ ଉଠେଇବା ଏବଂ ଓଳ୍କୁଳବା ସମୟରେ ୩ ରୁ ୪ ଫୁଟ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ବଜାୟ ରଖିବା ଦରକାର ।

ଫସଲ କ୍ଷେତ୍ର କାମରେ ଆବଶ୍ୟକ ଛଳେ ଦୈନିକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଅଧିକ ସଂଖ୍ୟକ ଶ୍ରମିକ ନିଯୋଜିତ କରିବାକୁ ମନା କରାଯାଇଛି

ଜଣାଶୁଣା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାର୍ଯ୍ୟ ରେ ଲଗାଇବା ସହ ସଂକ୍ରମିତ ଆଶଙ୍କା ଥିବା ଅବା ସନ୍ଦିଗ୍ଧ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାମରେ ନଲଗାଇବା ଉଚିତ

କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ବ୍ୟବହାର ଅଧିକ କରି ଏବଂ ଏହାକୁ ଚଳାଇବା ପାଇଁ ଅତି କମ ସଂଖ୍ୟକ ବ୍ୟାଙ୍କିଙ୍କୁ ନିଯୋଜିତ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଫାର୍ମ ର ପ୍ରବେଶ ଦ୍ୱାରରେ କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ନିୟମିତ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ସହ ପରିବହନ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଗାଡ଼ି ଓ ବସ୍ତା ଗୁଡ଼ିକୁ ମଧ୍ୟ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ଉଚିତ

ଅମଳ ହୋଇଥିବା କୃଷିଜାତ ପଦାର୍ଥକୁ ୩ ରୁ ୪ ଫୁଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ଛୋଟ ଛୋଟ ଗଦା କରି ରଖିବା ସହ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରିବା ପାଇଁ ଗଦା ପିଛା ଜଣେ ରୁ ୨ ଜଣ ଶ୍ରମିକ ନିଯୋଜିତ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଅମଳ ହୋଇଥିବା ମକା, ଚିନାବାଦାମ ପ୍ରତ୍ଯେକି ଫେରେ ମଞ୍ଜି ଛଡ଼ାଇବା ପାଇଁ  
ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତ୍ରପାତ୍ରର ହାତରେ ଲାଗୁଥିବା ଅଂଶକୁ ନିୟମିତ ସାହୁନରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସଂରକ୍ଷଣ ଓ ବିପଣନ ବ୍ୟବସ୍ଥା

କୃଷିଜାତ ଉପାଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ଶୁଖେଇବା, ଉଡ଼ାଇବା, ସଫା କରିବା, ବାଛିବା ଏବଂ ସୁରକ୍ଷିତ  
ଉବରେ ରଖିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ଜଳୀୟ ବାଷ୍ପ କଣା ଓ ଧୂଳି ନ ପଣିବା ପାଇଁ ମାଞ୍ଚ  
ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଚିତ ।

ଅମଳ କରାଯାଇଥିବା ଶାସ୍ୟ, ମାଣ୍ଡିଆ, ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫେରେ ଟାଣ ଖରାରେ  
ଶୁଖାଇବା ଉଚିତ । ପୂର୍ବରୁ ବ୍ୟବହୃତ ଫୋଟ ବସ୍ତା ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଏଥିରେ ପୋକ  
ଲାଗିବାର ସମ୍ଭାବନା ଅଧିକ ଥାଏ । ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଖିଲା ବସ୍ତାଗୁଡ଼ିକୁ 5 ପ୍ରତିଶତ ଲିମ୍ ତେଳ  
ଦ୍ରୁବଣରେ ଭିଜାଇ ଏବଂ ଶୁଖାଇ ଶାସ୍ୟ ସଂରକ୍ଷିତ ରଖନ୍ତୁ ।

ଉଦ୍‌ବିଷ୍ୟତରେ ଅଧିକ ଦରରେ ବିକ୍ରି ପାଇଁ ଉପାଦ କୁ ନିକଟଙ୍ଗ ଶୀତଳ ଭଣ୍ଟାର, ସରକାରୀ  
ଗୋଦାମ କିମ୍ବା ଉଡ଼ା ସ୍ଵତ୍ରରେ ଦିଆଯାଉଥିବା ଗୋଦାମ ଗୁଡ଼ିକରେ ଗଛିତ ରଖନ୍ତୁ ।

କୃଷି ଜାତ ଦ୍ରୁବ୍ୟର ପରିବହନ, ବିକ୍ରିବଟା ଓ ନିଲାମ ସମୟରେ ନିୟୋଜିତ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ପାଇଁ  
ସମ୍ଭାବ୍ୟ ସଂକ୍ରମଣରୁ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ ଆବଶ୍ୟକ ।

ବିହନ ଉପାଦନକାରୀ ନିଜର ଉପାଦିତ ଦ୍ରୁବ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକ ବିହନ ଉଦ୍‌ଦେୟାଗ ଗୁଡ଼ିକୁ ପରିବହନ  
କଲା ସମୟରେ ତଦସମ୍ବଧୀୟ ଅନୁମୋଦନ ପତ୍ର ଓ କାଗଜ ଗୁଡ଼ିକୁ ନିଜ ପାଖରେ ରଖିବା ସହ  
ଚଙ୍ଗା କାରବାର ସମୟରେ ସଂକ୍ରମିତ ନ ହେବା ପାଇଁ ଯତ୍ନଶୀଳ ହେବା ଉଚିତ ।

ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଥିବା ଫେରେ ପରିଚାଳନା ପରାମର୍ଶ

ଗହମ ଉପାଦିତ ହେଉଥିବା ଅଞ୍ଚଳଗୁଡ଼ିକରେ ଏଇ ବର୍ଷ ତାପମାତ୍ରା ହାରାହାରି ୦୩ କମ  
ରହୁଥିବାରୁ ଗହମ ଅମଳ ସମୟକୁ ଅନାୟସରେ ଏପ୍ରିଲ ୨୦ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଘୁଞ୍ଚାଯାଇପାରିବ ।  
ଏହାହାରା ଚାଷୀମାନେ କୌଣସି କ୍ଷତିର ସମ୍ବ୍ଲାଷୀନ ନ ହେବା ସହ ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ବିକ୍ରିବଟା  
ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପରିଚାଳନା ବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଇଁ ଯଥେଷ୍ଟ ସମୟ ମିଳିବା

ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ରବି ଧାନ ଫେଲର ଦାନା ପୂରଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଏହି ସମୟରେ ଗଲା ମହିଷା ରୋଗ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଅଛି । ତେଣୁ ଏହି ରୋଗ ନିଯନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ଅନୁମୋଦିତ ପିଲି ନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ସମୟରେ ନିଯୋଜିତ ଶ୍ରମିକ ନିଜର ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟଗତ ସୁରକ୍ଷା ଦିଗରେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ନିହାତି ଆବଶ୍ୟକ ।

ଧାନ ପାଇଁ ଯାଇଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ଯଦି ଅଦିନିଆ ବର୍ଷା ହୋଇ ଧାନ ଗଜା ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ଥାଏ, ତେବେ ଏହାର ନିରାକରଣ ପାଇଁ ୪ ପ୍ରତିଶତ ଲୁଣ ପାଣିର ଦ୍ରବଣ ଫେଲରେ ସିଞ୍ଚନ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଆମ ଭଲି ଉଦ୍ୟାନ ଭିତ୍ତିକ ଫେଲରେ ଫଳ ଧରିବା ସମୟରେ ଖାଦ୍ୟ ସାର ୩ କୀଟନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ବେଳେ ଯଥେଷ୍ଟ ସତର୍କତା ଅବଳମ୍ବନ ପୂର୍ବକ ବ୍ୟବହାର ପରେ ସ୍ତ୍ରେୟର କୁ ଭଲଭାବରେ ଡିଟରଜେଷ୍ଣରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଖରାଟିଆ ଭାଲି ଜାତୀୟ ଫେଲରେ ଧଳାମାଛି ଜନିତ ସାହେବି ରୋଗ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା ସମୟରେ ସ୍ଵାସ୍ଥ୍ୟ ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଆବଶ୍ୟକ ।

## **ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਕਾਰਨ ਲਾਕਡਾਊਨ ਅਵਧੀ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ ਤੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼**

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਖੇਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਸਹਿਤ ਨਿਰੰਤਰ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਕੁੱਝ ਅਹਿਮ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਅਤੇ ਸੁਵਿਧਾ ਲਈ ਇਹ ਆਦੇਸ਼ ਨਿਮਨ ਦਿੱਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ :-

### **ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਜਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ \***

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਛੁਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ:-

1. ਵੈਟਰਨਰੀ / ਪਸੂ-ਚਿਕਿਤਸਾ ਹਸਪਤਾਲ।
2. ਐਮਐਸਪੀ ਪਰਿਚਲਨਾਂ ਸਹਿਤ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿੱਚ ਲਗੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ।
3. ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜ ਮੰਡੀ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।
4. ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਖੇਤ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਖੇਤੀ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ।
5. ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਸਟਮ ਹਾਇਰਿੰਗ ਸੈਂਟਰ (CHC)।
6. ਖਾਦ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਬੀਜ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਇਕਾਈਆਂ।
7. ਕੰਬਾਇਨ-ਹਾਰਵੈਸਟਰ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ/ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿੱਚ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਵਾਢੀ ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਅੰਤਰਰਾਜੀ ਆਵਾਜਾਈ।
8. ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਵਾਧੂ ਪੁਰਜੇ (ਸਪਲਾਈ ਚੇਨ) ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਇਕਾਈਆਂ ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ।
9. ਟਰੱਕਾਂ ਆਦਿ ਦੀ ਰਿਪੋਅਰ ਸੰਬੰਧੀ ਦੁਕਾਨਾਂ (ਖਾਸ ਕਰ ਪੈਟਰੋਲ ਪੰਪਾਂ ‘ਤੇ ਖੁੱਲੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ) ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ।
10. ਚਾਹ ਉਦਯੋਗ (ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ 50% ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨਾਲ) ਖੁੱਲੇ ਰਹਿਣਗੇ।

\* ਪਾਇੰਟ (1 ਤੋਂ 8) ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲਾ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ, ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020-ਡੀਐਮ-ਆਈ(ਏ) ਮਿਤੀ 24, 25 ਅਤੇ 27 ਮਾਰਚ, 2020), ਛੁਟਾਂ ਵਿੱਚ ਧਾਰਾ 2,4,5 ਅਤੇ 6 ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ; ਅਤੇ ਪਾਇੰਟ (8 ਤੋਂ 10) ਮਿਤੀ 24.03.2020 ਨੂੰ ਐਮ.ਐਚ.ਏ. ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020- ਡੀ.ਐਮ.-ਆਈ.- (ਏ) ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 4ਵੇਂ ਜੋੜ ਅਨੁਸਾਰ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੁਟਾਂ ਨਾਲ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦੇ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ। ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕਾਰਜ-ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮੰਤਰੀ-ਮੰਡਲਾਂ / ਰਾਜਾਂ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਿਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੀਤੀਗਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ‘ਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖੇਤਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੰਤਰਾਲਿਆਂ / ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ।

## ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ

### ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਥੈਰੋਪੀਂਗ

ਕਾਵਿਡ-19 ਦੇ ਫੈਲਣ ਦੇ ਖਤਰੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਰਬੀ ਫਸਲਾਂ ਦੇ ਪੱਕਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨੇੜੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਖੇਤੀ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮੰਡੀ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਗਤੀਸ਼ੀਲਤਾ, ਉਪਜ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ, ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਧਾਰਣ ਉਪਰਾਲਿਆ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ, ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਹੱਥ ਪੋਣੇ, ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣੇ, ਕੱਪੜੇ, ਉਪਕਰਨਾਂ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ।

ਖੇਤ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਕਿਆ ਵਿੱਚ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀਆਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

- ਕਈ ਉੱਤਰੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਬਾਹਰ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੁਰੰਮਤ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਸੰਚਾਲਨ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਸਰੋਂ ਦੂਸਰੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਰਬੀ ਫਸਲ ਹੈ, ਮੈਨੂਅਲ ਕਟਾਈ ਜ਼ੋਰਾਂ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿੱਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਟਾਈ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਉੱਥੇ ਥੈਰੋਪੀਂਗ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਮਸੂਰ, ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਦੀ ਕਟਾਈ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੈ ਅਤੇ ਛੋਲੇ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪੱਕ ਰਹੇ ਹਨ।
- ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਬਲਕਿ ਮਾਰਚ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਲਈ ਵਧੀਆ ਹੈ।
- ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ, ਫਲਾਂ ਤੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਤੁੜਾਈ ਅਤੇ ਅੰਡੇ ਤੇ ਮੱਛੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਜੋ ਵਿਅਕਤੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮਕਾਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਢੀ / ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਮੈਨੂਅਲ ਫੀਲਡ ਸੰਚਾਲਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਇੱਕ ਪੱਟੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 4-5 ਫੁੱਟ ਦੂਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਸਟ੍ਰਿਪਸ ਵਿੱਚ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ। ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਕਾਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਢੁੱਕਵੀਂ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਸਹੀ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਹੱਥ ਪੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਆਰਾਮ ਕਰਨ, ਭੋਜਨ ਕਰਨ, ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਪੁਆਇੰਟ 'ਤੇ, ਉਪਜ ਨੂੰ ਇੱਕ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈ ਜਾਣ, ਲੋਡਿੰਗ/ਅਨਲੋਡਿੰਗ ਦੌਰਾਨ 3-4 ਫੁੱਟ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ, ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਕੋ ਅਤੇ ਇੱਕੋ ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਚੋ।
- ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਸ਼ੱਕੀ ਜਾਂ ਸੰਭਾਵਿਤ ਕੈਰੀਅਰ/ਵਾਹਨ ਦੇ ਦਾਖਿਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਕੇਵਲ ਜਾਣ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਸਹੀ ਪੁੱਛ-ਪੜਤਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ ਮਸ਼ੀਨੀਕ੍ਰਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿਓ। ਮਸ਼ੀਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰੋ।
- ਸਾਰੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਐਂਟਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਉੱਤੇ ਅਤੇ ਨਿਯਮਿਤ ਅੰਤਰਾਲਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਯਾਤਰੀ ਵਾਹਨ, ਪੈਕਿੰਗ ਸਮੱਗਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਸਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

- ਉਪਜ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ 3-4 ਛੋਟੇ ਢੇਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਭੀੜ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਖੇਤਰ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ ਦਾ ਕੰਮ 1-2 ਵਿਆਕਤੀਆਂ / ਢੇਰ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਜਦੋਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸਮੂਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਵੱਡੀ ਹੋਈ ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮੁੰਗਫਲੀ ਲਈ ਥੈਸ਼ਟਰਾਂ ਨੂੰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਵੱਛਤਾ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਾਈ ਰੱਖੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਧੋਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

### **ਵੱਡੀ ਫਸਲ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ, ਸਟੋਰੇਜ ਅਤੇ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਆ**

- ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਫਸਲਾਂ ਨੂੰ ਸੁਕਾਉਣ, ਥੈਸ਼ਟਿੰਗ, ਵਿਨੋਇੰਗ, ਸਫ਼ਾਈ, ਗਰੇਡਿੰਗ, ਸ਼ੈਕੀਬੱਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦਿਆਂ ਐਰੋਸੋਲ ਅਤੇ ਧੂੜ ਕਣਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂ ਸਾਹ ਸੰਬੰਧੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਚਿਹਰੇ ਦੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ ਨਾਲ ਇਹਨਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਮਦਦ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।
- ਘਰ ਵਿੱਚ ਕੱਢੇ ਹੋਏ ਅਨਾਜ, ਬਾਜ਼ਾਰ ਅਤੇ ਦਾਲਾਂ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕੇ ਹੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਕਰੋ ਅਤੇ ਕੀੜੇ ਦੇ ਰੋਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪਿਛਲੇ ਸੀਜ਼ਨ ਦੇ ਜੂਟ ਬੈਗਾਂ ਦਾ ਦੁਆਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ। 5% ਨਿੰਮ ਦੇ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਭਿੱਜਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਸੁੱਕੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।
- ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਆਸ-ਪਾਸ ਦੇ ਕੋਲਡ ਸਟੋਰੇਜ / ਗੋਦਾਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਜੂਟ ਦੇ ਬੈਗਾਂ ਵਿੱਚ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਉਪਜ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਜੇਕਰ ਮੰਡੀ / ਸ਼ਾਪਿੰਗ ਪਲੇਟਫਾਰਮ 'ਤੇ ਵਿਕਰੀ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜਾਂ ਦੀ ਲੋਡਿੰਗ ਅਤੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਅ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
- ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਬੀਜ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਣ ਅਤੇ ਭੁਗਤਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ / ਪੈਕਿੰਗ ਅਤੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟੇਸ਼ਨ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਰਾਜਾਂ (ਦੱਖਣ ਤੋਂ ਉੱਤਰ) ਤੋਂ ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਉਣੀ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਲਈ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ।
- ਟਮਾਟਰ, ਗੋਭੀ, ਹਰੀਆਂ ਪੱਤੇਦਾਰ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਖੀਰੇ ਵਰਗੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

### **ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਫਸਲਾਂ**

- ਕਣਕ ਉਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਤਾਪਮਾਨ ਅਜੇ ਵੀ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਔਸਤ ਨਾਲੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ 'ਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 10-15 ਦਿਨ ਹੋਰ ਦੇਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਘਾਟੇ ਦੇ 20 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੱਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਖਰੀਦਦਾਰੀ ਅਤੇ ਤਰੀਕਾਂ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰਸਦ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
- ਦੱਖਣੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਰਬੀ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਦਾਣਾ ਬਣਦੇ ਸਮੇਂ ਨੇਕ ਬਲਾਸਟ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਪ੍ਰੇ / ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਿਤ ਉੱਲੀਮਾਰ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਸਮੇਂ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਦੀ ਵਾਢੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਿਸੇ ਗੈਰ ਮੌਸਮੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ, ਦਾਣਿਆਂ ਦੇ ਉਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ 5% ਲੂਣ ਦੇ ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
- ਬਾਗਬਾਨੀ ਫਸਲਾਂ ਜਿਵੇਂ ਅੰਬਾਂ ਦੀਆਂ ਫਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪੌਸ਼ਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸੰਬੰਧੀ ਖੇਤਰੀ ਕੰਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਦਾਲਾਂ ਵਿੱਚ, ਪੀਲੇ ਮੌਜੈਕ ਵਿਸ਼ਾਣੂ ਦੀ ਰੋਕਖਾਮ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਿਟਿਟਫਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**கொரோனா (COVID-19) நோய்த்தொற்றின் காரணமாக ஏற்பட்டுள்ள தடை  
காலத்தில் விவசாயிகள் மற்றும் விவசாயத் துறைக்கான வேளாண்  
ஆலோசனை:**

இந்திய அரசு வழிமுறைகளைக் கொண்டு வந்துள்ள காரணத்தினால்\*. முக்கியமான விவசாயம் மற்றும் விவசாயம் சார்ந்த துறை செயல்பாடுகள் பரிந்துரைக்கப்பட்ட முன்னெச்சரிக்கைகளுடன் தொடர்ந்து நடைபெறுகின்றன. விவசாயிகளின் நலன்களுக்காக, இவை தனியாக பிரித்தெடுக்கப்பட்டு இங்கே பட்டியலிடப்பட்டுள்ளது.

**தடை காலத்தில் விலக்களிக்கப்பட்ட விவசாயம் மற்றும் அதன் சார்பு துறைகள்/ செயல்பாடுகள்:**

- i. கால்நடை மருத்துவமனைகள்
- ii. குறைந்த பட்ச ஆதார விலை நிர்ணயிக்கும் செயல்பாடுகள் உள்ளிட்ட வேளாண் பொருட்கள் கொள்முதல் செய்யும் நிறுவனங்கள்
- iii. வேளாண் உற்பத்தி சந்தைக் குழுவால் இயக்கப்படும் அல்லது மாநிலத்தால் அறிவிக்கப்பட்ட மண்டிகள்
- iv. வயலில் விவசாயிகள் மற்றும் பண்ணைத் தொழிலாளர்கள் மேற்கொள்ளும் விவசாய நடவடிக்கைகள்
- v. பண்ணை இயந்திரங்கள் தொடர்பான இயந்திரங்கள் வாடகைக்கு விடும் மையங்கள் (CHC)
- vi. உரங்கள், பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் விதைகளின் உற்பத்தி மற்றும் விற்பனை அலகுகள்/ கடைகள்
- vii. மாநிலத்திற்கு உட்பட்ட மற்றும் மாநிலங்களுக்கிடையிலான அறுவடை விதைப்பு கருவிகள் வேளாண் தோட்டக்கலை இயந்திரங்கள்.
- viii. வேளாண் இயந்திரங்களின் கடைகள், அதன் உதிரி பாகங்கள் (அதன் விநியோகம் நிறுவனங்கள் உட்பட) மற்றும் பழுதுபார்ப்பு கடைகள் திறக்கப்பட்டுள்ளன.
- ix. நெடுஞ்சாலைகளில் லாரி பழுதுபார்க்கும் கடைகள், முக்கியமாக எரிபொருள் நிலையங்களுக்கு அருகாமையில் உள்ள கடைகள்.
- x. டை தூள் தயாரிக்கும் நிறுவனங்கள், மற்றும் 50 % வேலையாட்களுக்கு மிகாமல் தேயிலை தோட்டங்களில் செயல்பாடுகள்.

\* (i முதல் vii புள்ளிகள் வரை)- இந்திய அரசின் உள்துறை அமைச்சகத்தின் மார்ச் 2020, 24, 25 மற்றும் 27 தேதியிட்ட ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A), 2, 4, 5 மற்றும் 6 ஆகிய பிரிவுகளி சேர்த்தல் மற்றும் விதிவிலக்குகளின் படி; மற்றும் \* (viii முதல் x புள்ளிகள் வரை)- 24.03.2020 தேதியிட்ட உள்துறை அமைச்சகத்தின் ஒருங்கிணைந்த வழிகாட்டுதல்களுக்கான 4 வது கூடுதல் படியின் ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A) படி .

இந்த விலக்குகள் வேளாண்மை மற்றும் வேளாண்மை தொடர்பான தடையற்ற நடவடிக்கைகளுக்கு வழிவகுக்கும், இதனால் தடை காலத்தின் போது

விவசாயிகளுக்கு தேவையான அத்தியாவசிய பொருட்கள் கிடைப்பதில் எந்த சிரமத்தையும் சந்திக்க மாட்டார்கள்.

அரசாங்கத்தின் கொள்கை வழிமுறைகளின் அடிப்படையில், மாநில அரசுகளின் பல்வேறு அமைச்சகங்கள் / துறைகள் வேளாண்மை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய துறைகளில் தொடர்ந்து செயல்பாடுகள் நடை பெறுவதற்கு உரிய வழிமுறைகளை வழங்கியுள்ளது.

## விவசாயிகளுக்கான அறிவுரைகள்

### பயிர்கள் அறுவடை செய்தல் மற்றும் விதைக்கல்:

கொரோனா(COVID-19) பரவலின் அச்சுறுத்தலுக்கு மத்தியில், ரபி பயிர்கள் முதிர்ச்சியை நெருங்குகின்றன. அறுவடை மற்றும் வேளாண் உற்பத்தி பொருட்களை கையாளுதல் விற்பனைக் கூடங்களுக்கு எடுத்துச் செல்லுதல் ஆகிய அனைத்து செயல்பாடுகளுமே குறித்த காலத்தில் நடைபெறுதல் அவசியமாகும். இருப்பினும், நோயைத் தடுக்க எடுக்க வேண்டிய முன்னெச்சரிக்கைகள் மற்றும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை அதாவது சமூக விலகல், தனிப்பட்ட சுகாதாரத்தை பேணுதல், சோப்பு கொண்டு கைகளை கழுவுதல், முகக் கவசம் அணிதல், பாதுகாப்பு ஆடை அணிதல், கருவிகள் மற்றும் இயந்திரங்களை சுத்தம் செய்தல் கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும். ஆகவே வயலில் நடைபெறும் ஒவ்வொரு செயல்பாட்டிலும் விவசாயிகள் மற்றும் தொழிலாளர்கள் ஒவ்வொரு அடியிலும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் மற்றும் சமூக தூரத்தை பின்பற்ற வேண்டும்.

- பல வட மாநிலங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் மேற்கொள்ளும் கோதுமை அறுவடைக் காலம் நெருங்குகிறது. மாநிலத்திற்குள்ளும் மாநிலங்களுக்கு இடையிலும் அவர்களின் இயக்கம் அனுமதிக்கப்பட்டுள்ளது. பழுது, பராமரிப்பு மற்றும் அறுவடை நடவடிக்கைகளில் ஈடுபடும் தொழிலாளர்களின் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் உறுதி செய்யப்பட வேண்டும்.
- கடுகு இரண்டாவது முக்கியமான ரபி பயிர், தற்பொழுது அறுவடை நடந்து வருகிறது மற்றும் ஏற்கனவே அறுவடை செய்யப்பட்ட பயிர் கதிரடிக்கப்பட உள்ளது.
- மேலும் பயறு, மக்காச்சோளம் மற்றும் மிளகாய் அறுவடையும் நடந்து வருகிறது
- தற்பொழுது கரும்பு அறுவடை உச்சத்தில் உள்ளது, மேலும் இது வடக்கில் கரும்பு நடவு செய்வதற்கான நேரமாகும்.
- பயிர்கள், பழங்கள், காய்கறிகள், முட்டை மற்றும் மீன்கள் அறுவடையில் ஈடுபடுவோர் அறுவடைக்கு முன்பும் அறுவடையின்போது மற்றும் அறுவடை முடிந்த பிறகும் தனிப்பட்ட சுகாதாரம் மற்றும் சமூக தூரத்துக்கான அனைத்து நடவடிக்கைகளையும் பின்பற்ற வேண்டும்.
- அறுவடை / பறிக்கும் செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும் போது விவசாயிகள் / தொழிலாளர்கள் 4 முதல் 5 அடி இடைவெளிவிட்டு செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ள வேண்டும். இது செயல்பாடுகளை

மேற்கொள்பவர்களுக்கு இடையில் போதுமான இடைவெளியை உறுதி செய்யும்.

- அனைவரும் முக கவசம் அணிவது மற்றும் குறித்த இடைவெளியில் கைகளை கழுவுவதை கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும்.
- விவசாய செயல்பாடுகளுக்கு இடையில் ஓய்வு எடுக்கும்போதும் உணவு உட்கொள்ளும் போதும் வேளாண் பொருட்களை சேகரிக்கும் போதும் ஏற்றி இறக்கும் போதும் பாதுகாப்பான இடைவெளியாக 3 முதல் 4 அடி இடைவெளியினை பராமரிக்க வேண்டும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் கள செயல்பாடுகளை கால தாமதப்படுத்தி, அதிக எண்ணிக்கையிலான நபர்கள் அதே நாளில் ஈடுபடுவதைத் தவிர்க்க வேண்டும்.
- முடிந்தவரை குடும்பத்தில் உள்ளவர்கள் மற்றும் தெரிந்தவர்களை மட்டுமே ஈடுபடுத்த வேண்டும் அல்லது முறையான விசாரணைக்குப் பின் தொழிலாளர்களை ஈடுபடுத்தலாம் இதன்மூலம் நோய் தொற்று இருப்பவர்கள் அல்லது சந்தேகத்துக்கு உரியவர்களை தவிர்க்க முடியும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் வேளாண் செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ளலாம். மேலும் குறைந்த எண்ணிக்கையில் மட்டுமே நபர்கள் இயந்திரத்துடன் செல்ல அனுமதிக்கப்பட வேண்டும்.
- அனைத்து இயந்திரங்களும் நுழைவு இடத்திலும் சரியான இடைவெளியிலும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும். அனைத்து போக்குவரத்து வாகனங்கள், கோனி சாக்கு பைகள் அல்லது பிற பேக்கேஜிங் பொருட்களும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும்.
- விளைபொருட்களை சேகரிக்கும்போது 3-4 அடி இடைவெளியில் சிறிய குவியல்கள் ஆக்கவேண்டும். கூட்டத்தைத் தவிர்ப்பதற்கு 1-2 நபர்கள்/ குவியலுக்கு என ஒதுக்கப்பட வேண்டும்.
- மக்காச்சோளம் மற்றும் நிலக்கடலை அறுவடை செய்யும் இயந்திரங்களின் துப்புரவு மற்றும் தூய்மை முறையாக பராமரிக்கப்பட வேண்டும். உழவர் குழுக்களால் இயந்திரங்கள் பகிரப்பட்டு பயன்படுத்தப்படும்போது அடிக்கடி கைகள் படும் பாகங்களில் சோப்பை கொண்டு கழுவி தூய்மை செய்ய அறிவுறுத்தப்படுகிறது.

#### அறுவடைக்கு பிந்தைய, சேமிப்பு மற்றும் பண்ணை விளைபொருட்களின் விற்பனை:

- விளைபொருட்களை உலர்த்துதல் அடித்தல் தூற்றுதல் சுத்தம் செய்தல் தரம்பிரித்தல், அடுக்குதல் மற்றும் மூட்டை பிடித்தல் ஆகிய செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும்போது, முக கவசம் அணிந்து செய்வதன் மூலம் காற்றின் வழியாக தூசு, மூச்சு குழலில் சென்று சுவாச கோளாறு ஏற்படுவதை தவிர்க்க முடியும்.
- அறுவடை செய்யப்பட்ட தானியங்கள், சிறுதானியங்கள், பருப்பு வகைகள் பண்ணை வீட்டில் சேமிப்பதற்கு முன் சரியான உலர்த்தலை உறுதிசெய்செய்ய வேண்டும். பூச்சி தொற்றுநோயைத் தடுக்க முந்தைய பருவங்களில் பயன்படுத்திய சணல் பைகளை மீண்டும் பயன்படுத்த வேண்டாம். 5% வேப்பம் கரைசலில் சிகிச்சையளிக்கப்பட்ட மற்றும் உலர்த்திய பைகளை பயன்படுத்தவும்.

- உற்பத்தி செய்யப்படும் விளைபொருட்கள் சிறந்த விலை கிடைப்பதற்கு சணல் பைகளில் சேமிக்க போதுமான முன் ஏச்சரிக்கைகள் எடுக்கப்பட வேண்டும். விவசாயிகளுக்கு பண்ணையில் அல்லது அருகிலுள்ள குளிர் சேமிப்பகங்கள் / கோடவன்கள் / கிடங்குகளில் போதுமான எண்ணிக்கையில் சணல் பைகளில் சேமிக்க வேண்டும்.
- பண்ணை விளைபொருட்களை ஏற்றுவதற்கும் கொண்டு செல்வதற்கும், சந்தைகள் / ஏல் தளங்களில் விற்பனையில் பங்கேற்கும்போதும் போதுமான தனிப்பட்ட பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் எடுத்துக்கொள்ள வேண்டும்.
- விதை உற்பத்தியாளர் விவசாயிகளுக்கு விதைகளை துணை ஆவணங்களுடன் விதை நிறுவனங்களுக்கு கொண்டு செல்ல அனுமதி உண்டு. மேலும் அவர்கள் பணம் பெறும்போது முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- விதை பதப்படுத்துதல் / பேக்கேஜிங் ஆலைகள் மற்றும் விதை உற்பத்தி செய்யும் மாநிலங்களிலிருந்து (தெற்கிலிருந்து வடக்கு) கரீப் பருவ பயிர்களுக்கான விதை தேவைப்படும் மாநிலங்களுக்கு தேவையான அளவு விதை இருப்பு இருக்க வேண்டும். உதாரணமாக வடக்கில் ஏப்ரல் மாதத்தில் விதைப்பதற்கு பசுந்தீவனத்திற்கான எஸ்.எஸ்.ஐ விதை தென் மாநிலங்களிலிருந்து வருகிறது .
- தக்காளி, காலிஃபிளவர், பச்சை இலை காய்கறிகள், வெள்ளரிகள் மற்றும் பண்ணைகளிலிருந்து வரும் பிற கொடி வகை காய்கறிகள் போன்ற காய்கறிகளை நேரடியாக விற்பனை / வழங்குவதற்கு தேவையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.

### வயலில் வளர்நிலையில் உள்ள பயிர்கள்:

- கோதுமை வளரும் பெரும்பாலான பகுதிகளின் வெப்பநிலை இன்னும் நீண்ட கால சராசரிக்குக் குறைவாகவே உள்ளது. ஏப்ரல் 10 க்கு அப்பால் குறைந்தது 10-15 நாட்களுக்கு கோதுமை அறுவடை தாமதப்படுத்தலாம், எனவே விவசாயிகள் கோதுமையை எந்தவொரு குறிப்பிடத்தக்க இழப்பும் ஏற்படாமல் ஏப்ரல் 20 வரை தாமதப்படுத்தலாம், இது கொள்முதல் தளவாடங்கள் மற்றும் தேதிகள் அறிவிப்பதற்கான போதுமான நேரத்தை அளிக்கிறது.
- தென்மாநிலங்களில் கதிர் பால் பிடிக்கும் பருவத்தில் உள்ள ரபி நெற்பயிரில் கழுத்து குலை நோய் பரவலாக காணப்படுகிறது. பரிந்துரைக்கப்பட்ட பூஞ்சைக் கொல்லி மருந்தினை தெளிக்கும் போது முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- நெல் அறுவடை கட்டத்தில் ஏதேனும் பருவ மழை பெய்தால், விதை முளைப்பதை தடுக்க 5% உப்பு கரைசலை தெளிக்கவும்.
- மாம்பழம் போன்ற பழம்தரும் கட்டத்தில் உள்ள தோட்டக்கலை பயிர்களில், நுண்ணாட்டச்சத்து அளித்தல் பயிர் பாதுகாப்பு போன்ற வயல் தொடர்பான நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ளும்போது அதற்கான இடுபொருட்களை கையாளுதல் தெளிப்பு செய்தல் மற்றும் அதற்கு

தேவைப்படும் உபகரணங்களைத் கழுவுதல் போன்றவற்றின் முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ள வேண்டும்.

- கோடை பருவத்தில் நெல் தரிசு வயலில் உள்ள பயறுவகை பயிர்களில் மஞ்சள் தேமல் நோய் வராமல் தடுப்பதற்கு முறையான வெள்ளை ஈ மேலாண்மை முறைகளை பாதுகாப்புடன் மேற்கொள்ள வேண்டும்

**కోవిడ్-19 కారణంగా లాక్ డౌన్ సమయంలో రైతులకు మరియు వ్యవసాయ రంగానికి సంబంధించిన వ్యవసాయ**

**మార్గదర్శకాలు**

వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్యక్రమాలను యథావిధిగా కొనసాగించడానికి భారత ప్రభుత్వము కోన్ని ముఖ్యమైన మార్గదర్శకాలు\* జారీ చేయడం జరిగింది. రైతుల ప్రయోజనాలను దృష్టిలో వుంచుకోని వాటిని క్రింద తెలియజేయడం జరిగింది.

**వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యక్రమాలు లాక్ డౌన్ నుండి మినహాయించబడినవి\***

- i. పశువైద్యకాలలు
- ii. వ్యవసాయ ఉత్పత్తులను సేకరించే కేంద్రాలు, కీస మద్దతు ధర కార్యకలాపాలతో సహ
- iii. మార్కెట్ కమిటీల ద్వారా నడుపబడే వ్యవసాయ మార్కెట్లు లేదా రాష్ట్ర ప్రభు త్వాల ద్వారా ఆమోదించబడిన మార్కెట్లు
- iv. రైతులు మరియు వ్యవసాయ కూరీల ద్వారా నిర్వహించే వ్యవసాయ పనులు
- v. వ్యవసాయ యంత్రాలను సరఫరా చేసే కస్టమ్ హైర్ సెంటర్లు
- vi. ఎరువులు, పురుగు మందులు మరియు విత్తనాల ఉత్పత్తి మరియు ప్యాకేజింగ్ యూనిట్లు
- vii. వ్యవసాయంలో కోతలు మరియు నాటుకు / విత్తీందుకు అవసరమైన యంత్రాలను అనగా కంట్యెన్ హోర్స్పాట్లు మరియు ఇతర వ్యవసాయ / ఉద్యాన పరికరాలు రాష్ట్రాల లోపల మరియు అంతరాష్ట్ర రవాణా
- viii. వ్యవసాయ యంత్ర పరికరాలు మరియు యంత్రాల విడి భాగాలకు సంబంధించిన పొపులు (తయారు చేసే కంపెనీలతో సహ), అలాగే మరమ్మత్తు చేసే పొపులు తెరిచే వుంటాయి.
- ix. టుక్కులు మరమ్మత్తు చేసే పొపులు జాతీయ రహదారులపై ముఖ్యంగా పెట్టోల్ మరియు డీజెల్ పొపులు దగ్గరగా ఏర్పాటు
- x. తేయాకు పరిశ్రమ, నాటడంతో సహ, 50శాతం వరకు కూరీలను వుపయోగించి

\*మార్గదర్శకాలు (i నుండి vii) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన నెం. 40-3/2020-డిఎం-1(ఎ) తేది: 24, 25, మరియు 27 మార్చి, 2020 అదనంగా చేర్చిన క్లాజ్ లు 2,4,5 – మరియు 6 లలో ఇవ్వబడిన మినహాయింపులు , మార్గదర్శకాలు (viii నుండి x) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన నెం. 40 -3/2020- డిఎం-1(ఎ) తేది: 24 మార్చి, 2020 ప్రకారం 4వ సంబంధిత సమాచారాన్ని క్రోడీకరించిన మార్గదర్శకాలు.

ఈ మినహాయింపులు రైతులకు అవసరమైన అన్ని కారకాలు లభ్యమవ్యడం ద్వారా ఎటువంటి కష్టం లేకుండా వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్బూక్సిలు లాక్ డోన్ సమయంలో నిరాటంకంగా నిర్వహించడానికి వెసులుబాటు కలిగిస్తుంది.

భారత ప్రభుత్వం వారి విధాన పరమైన మార్గ నిర్దేశకాలను అనుసరించి వివిధ మంత్రిత్వ శాఖలు మరియు రాష్ట్రాల శాఖలు అమలు చేయవలసిన మార్గదర్శకాలు వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్బూక్సిలపాలు కొనసాగేలా జారీ చేయబడినది.

### రైతులకు సూచనలు:

#### పంట కోత మరియు సూర్యాడి:

కోవిడ్-19 ప్రభలిన ఈ సందర్భంలో, రబీ పంటలు కోత దశలో ఉన్నాయి. కోత మరియు కోత తరువాత మార్గట్ కు తరలింపు అనేవి సమయానుకూలంగా జరుపవలసినవి కావున తప్పని సరి. కానీ, రైతులు తప్పని సరిగా వ్యాధి వ్యాప్తిని నివారించేలా తగు జూర్గతలు మరియు రక్షణ చర్యలు తీసుకోవాలి. సులభమైన విధానాలైన సామాజిక దూరం పాటించడం, తరచు సబ్బుతో చేతులు కడుక్కొవడం, మాస్కులు ధరించడం, రక్షణ దుస్తులు ధరించడం, వ్యవసాయ పరికరాలు మరియు యంత్రాల శుభ్రత, పని చేసే వారి రక్షణ మరియు సామాజిక దూరం ప్రతీ కార్బూక్సిలో క్షేత్రాలలో పాటించడం తప్పనిసరి.

- కోత పరికరాలైన కంబైన్ హర్స్ స్ట్రోక్లర్లో మరియు రాష్ట్రాల వెలుపల నుండి రవాణాకు అనుమతించబడినవి. తగు రక్షణ చర్యలు వాటి రిపీరు మరియు వినియోగం సమయంలో పాటించాలి.
- మొక్కజోన్సు, అపరాలు మరియు మిరప పంటల కోత సమయం ఆసన్నమైంది.
- అన్ని వ్యవసాయ ఉత్పత్తులు అనగా ధాన్యం, పండ్లు, కూరగాయలు, గ్రుడ్లు, చేపలు కోత/పట్టే సమయంలో పనిచేసే అందరూ తప్పని సరిగా వ్యక్తిగత శుభ్రత మరియు సామాజిక దూరం పాటించాలి.
- కోత సమయంలో 4-5 అడుగుల దూరం ఒక భాగంగా గుర్తించి ఒక్కొక్కరు, ఒక్కొక్క భాగంలో పని చేసేలా చేయడం ద్వారా వ్యవసాయ కూర్చీల మధ్య సరియైన సామాజిక దూరం ఉండేలా చూడవచ్చు.
- పొలాలలో పనిచేసే ప్రతి ఒక్కరు తప్పని సరిగా మాస్కులు ధరంచడం మరియు నిర్దేశిక సమయంలో చేతులు సబ్బుతో కడుక్కొవడం తప్పనిసరిగా పాటించాలి.
- విశాంతి తీసుకునే సమయంలో, భోజన సమయంలో, పంటను ఒక దగ్గరకు చేర్చి సమయంలో బండలోనికి ఎత్తే సమయంలో మరియు దించే సమయంలో ఒకరికోకరు 3-4 అడుగుల దూరం తప్పని సరిగా పాటించాలి.
- సాధ్యమైనంత వరకు వ్యవసాయ పనులను అవసరాన్ని బట్టి విభజించి చేయడం ద్వారా ఒకే రోజు ఎక్కువ మంది కూర్చీలను పెట్టుకుండా నివారించాలి.

- వ్యవసాయ పనులకు తెలిసిన వారిని మాత్రమే వినియోగించడంతో పాటు వారి ఆరోగ్య పరిస్థితిని విచారించి తగు జూరుత్తలు పాటించాలి.
- విలైనంత వరకు యంత్రాలను వినియోగించాలి, అవసరం మేరకు మాత్రమే వ్యవసాయ కూరీలను యంత్రాలతో పాటు వినియోగించాలి.
- అన్ని రకాల యంత్ర పరికరాలను క్షేత్రంలో వాడకానికి ముందు వాడే సమయంలో పూర్తిగా శుభ్రపరచాలి. అన్ని రవాణా వాహనాలు, సంచులు మరియు ఇతర ప్యాకింగ్ సామాగ్రి శుభ్రపరచాలి.
- పంటను కోత అనంతరం చిన్న చిన్న కుప్పులుగా 3-5 అడుగుల దూరంలో పోగుచేయడం ద్వారా కుప్పుకు ఒకరి చొప్పున నిలబడి ఇతర కార్బూక్టమాలు నిర్వహించేలా చర్యలు చేపట్టాలి.
- వేరుశనగ మరియు మొక్కజోన్లు త్రిప్పు వంటి యంత్రాలను ఒక రైతునుండి ఇంకొక రైతుకు మార్పిడి చేసుకునేటప్పుడు శుభ్రం చేసి వినియోగించాలి, ముఖ్యంగా యంత్రంలో తరచూ ముట్టుకునే భాగాలను సబ్మెట్ విధిగా శుభ్రం చేయాలి.

#### పంట కోత అనంతరం, నిల్వ మరియు మార్కెటింగ్:

- పంటను ఎండబెట్టేటప్పుడు, నూర్చిడి, తూర్పుర పట్టడం, శుభ్రం చేయడం, గ్రేడింగ్, ప్యాకింగ్ వంటి కార్బూక్టమాలు చేసే టప్పుడు మాస్కులు ధరించడం ద్వారా శ్వాస సంబంధమైన ఇబ్బందులు రాకుండా నియంత్రించవచ్చు.
- ధాన్యాలు, చిరుధాన్యాలు, అపరాల వంటివి గృహ/ క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వ ఉంచేటప్పుడు సరిగా ఎండబెట్టాలి. నిల్వకోరకు పాత గోనే సంచులను వాడడం వలన పురుగు వ్యాపిస్తుంది కనుక గోనే సంచులను 5 % వేప ద్రావణంలో ముంచి ఎండబెట్టి వినియోగించాలి.
- పంటను క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వకు తగినన్ని గోనే సంచులను వినియోగించాలి లేదా దగ్గరలోని కోల్డ్ స్టోర్జీలు/ గోదాములు/ గిడ్డంగులు వినియోగించి సరియైన ధర వచ్చిన తరువాత అమ్మేట్లు చర్యలు చేపట్టాలి.
- రైతులు పంటను లోడింగ్ చేసేటప్పుడు, రవాణా సమయంలో, మార్కెట్లలో అమ్మేటప్పుడు మరియు ఆక్సెప్ట్ ఫారంల వద్ద తగు వ్యక్తిగత సంరక్షణ చర్యలు పాటించాలి.
- విత్తన ఉత్పత్తి చేసే రైతులు పంటను విత్తన కంపెనీలకు రవాణా చేయడానికి తగు పత్రాలు చూపి రవాణా చేసుకోవచ్చు. విధిగా తగు సంరక్షణ చర్యలు చేపట్టాలి మరియు వారినుండి నగదు పౌండ్ విషయంలో జూరుత్తలు పాటించాలి.
- విత్తన శుద్ధి/ప్యాకింగ్ ప్లాంట్లు మరియు రాప్టోల మధ్య విత్తన రవాణాకు అనుమతించబడినది. దీని ద్వారా ఖరీప్ సాగుకు అవసరమైన విత్తనాల కోరత లేకుండా చూడడం అత్యంత ఆవశ్యం.
- కూరగాయలైన టమాట, కాలీప్పువర్, ఆకుకూరలు, తీగజాతి కూరగాయలు వంటివి నేరుగా మార్కెటింగ్ చేసే సమయంలో తగు జూరుత్తలు పాటించాలి.

## ఎదుగుదల దశలో ఉన్న పంటలు:

- రబీ వరి గింజ పాలు పోసుకునే దశలో ఉన్న దక్కిణాది రాష్ట్రాలలో మెడ విరుపు తెగులు అధికంగా నష్టపరిచే అవకాశం ఉంది. కావున అవసరమైన శీలీంద్ర నాశినులను రైతులు పిచికారి చేయాలి.
- వరి కోతల సమయంలో అకాల వర్షం వర్షీ 5 % ఉప్పు నీటి ద్రావణాన్ని పిచికారి చేయడం ద్వారా మొలక రాకుండా నివారించాలి.
- మామిడి వంటి ఉద్యాన పంటలలో తోటలలో పోషకాల పిచికారి సస్యరక్షణ చర్యలు చేపట్టే సమయంలో కారకాల వినియోగం, కలపడం, వేయడంలో సంరక్షణ చర్యలను పాటించాలి మరియు పరికరాల కడగడం వంటివి పాటించాలి.
- వరి పోలాలలో వేసవి పంటగా అపరాయి సాగు చేసే ప్రాంతాలలో తెల్లదోమకు సరిదైన యాజమాన్యం పాటించడం ద్వారా పల్గాకు తెగులును నివారించాలి.